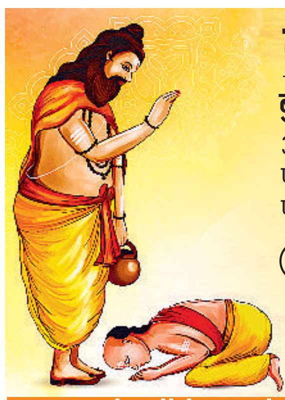

नई दिल्ली
बुधवार, 29 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा वर्ष : 30, अंक : 101
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गुरु पूर्णिमा आज

haribhoomi.com

‘मोदी जी क्लॉक्ड इट’: अब देश में न पेपर बिकेगा, न युवाओं का सपना टूटेगा

- लोकसभा में एंटी-पेपरलीक बिल पर हुई चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा की युवा नेता बांसुरी स्वराज ने साधा विपक्ष पर निशाना
- विपक्ष से हमलावर नजर आए गौरव गोगोई, बोले- सरकार की विफलता का स्मारक बनेगा यह कानून

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद में मंगलवार को सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधन रोकथाम) संशोधन विधेयक-2026 पर चर्चा का आगाज हो गया है। एक बार के स्थगन के बाद लोकसभा में दोपहर 2 बजे के बाद सत्ता पक्ष की तरफ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की युवा नेता बांसुरी स्वराज ने मोर्चा संभाला और अपने भाषण के जरिए न केवल सरकार का पक्ष मजबूती के साथ रखा। बल्कि विपक्ष को भी जमकर आईना दिखाया। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इस देश में पेपरलीक एक गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है। लेकिन इसे लेकर जिस प्रकार का माहौल या नैरेटिव विपक्ष द्वारा बनाया जा रहा है। वह पूरी तरह से निंदनीय है। बांसुरी ने संशोधन विधेयक को लेकर कहा कि यह सिर्फ एक जरूरत नहीं है। बल्कि आज के समय की मांग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं कि पेपरलीक एक जघन्य अपराध है। उनका यह बयान महज एक बयान नहीं है। बल्कि वह सरकार की नीयत को दर्शाता है। जिसे देखते हुए ही यह बिल लाया गया है। देश में अब न कोई पेपर बिकेगा, न युवाओं का सपना टूटेगा। जवाबदेह मोदी सरकार के अच्छे शासन का नतीजा यह विधेयक है। ▶▶ शेष पेज 7 पर

बिल से होगी मेरिट की पूर्ण रक्षा

उन्होंने विधेयक के बेहतरीन पहलुओं को सदन के समक्ष उजाकर करते हुए कहा कि आज देश में परीक्षा माफिया संगठित हो गया है। ऐसे दौर में यह बिल न्याय प्रक्रिया की उलझन को सुलझाता है। फास्ट ट्रैक अदालतें बना दी गई हैं। जो 2 महीने में प्रक्रिया खत्म कर देंगी, 3 महीने में ट्रायल पूरा कर फैसला देना है। सजा को भी पहले के मुकाबले और अधिक कठोर किया गया है। जिसे देखते हुए मैं, पूरे विश्वास के साथ यह कह सकती हूं कि यह विधेयक प्रतिभा यानी मेरिट और उसके हितों की रक्षा करता है।

सदन के संकल्प से बड़ा नहीं माफिया

भाजपा सांसद ने शिक्षा क्षेत्र में फैले हुए माफियाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि वो यह कतई न समझें कि वो इस सदन के संकल्प से बड़े हैं। बांसुरी ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस की अगुवाई वाली संप्रग की सरकारों ने नीतियों में जो खालीपन छोड़ा था। उसे पीएम मोदी की सरकार ने एक प्रकार से दूर कर दिखाया और समस्या का कानूनी समाधान दिया है। जेन-जेड की भाषा में कहूं तो मोदी जी ने कर दिखाया। मोदी जी क्लॉक्ड इट। यह बिल योग्यता की रक्षा करने के साथ ही निष्पक्षता को बरकरार रखते हुए युवाओं के सपनों को सुरक्षित करता है।

पीएम ने बच्चों को बनाया एग्जाम वॉरियर

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में परीक्षा ही एक निष्पक्ष व्यवस्था है। जिसमें एक मजदूर से लेकर एक सीईओ तक का बेटा एक साथ बैठकर परीक्षा देते हैं और फिर एक ही पद्धति से उनका मूल्यांकन किया जाता है। ऐसे में जब पेपरलीक हो जाता है। तब बेहद पवित्र भरोसा टूट जाता है। यह अवसरों का नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वह नेता हैं, जिन्होंने युवाओं, बच्चों को एग्जाम वॉरियर बनाया है, न कि एग्जाम वरियरनहीं। बीते एक दशक से अधिक समय में सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों का जिक्र भी बांसुरी ने अपने भाषण में किया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सतीश कुमार का यह कार्यकाल विस्तार 1 सितंबर, 2026 से पुनर्नियोजन अनुबंध के आधार पर लागू होगा।

देव आनंद के बेटे सुनील आनंद का निधन

मुंबई। बॉलीवुड के एवरग्रीन स्टार दिवंगत देव आनंद के बेटे सुनील आनंद का 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने लंदन में अंतिम सांस ली, जहां दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। उनकी पोती जीना नारंग ने इस दुखद खबर की पुष्टि करते हुए परिवार की ओर से शोक संदेश जारी किया और प्राइवेसी की अपील की।

पब्लिक एग्जामिनेशंस संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान जोरदार हंगामा

संसद में गूंजा जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज: एंटी पेपर लीक बिल पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का सरकार पर तीखा हमला

पीएम कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदलें लाठी बच्चों पर नहीं सरकार की साख पर

प्रियंका ने कहा कि मेरे भाषण से स्पीकर नाराज लग रहे हैं। पर मेरा अनुरोध है कि वे थोड़ा मुस्करा दें, तीन बार कहने के बाद स्पीकर आखिरकार, मुस्करा दिए

प्रियंका ने कहा कि चुनाव में वोट, मंदिर के चढ़ावे और किसानों की जमीन की चोरी हुई। लेकिन, सबसे बड़ी चोरी तब हुई जब नौजवानों के सपने चुराए गए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में ‘पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक’ पर चर्चा के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। इसके साथ ही नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति और बिल्किस बानो मामले का जिक्र आने पर सदन में भारी हंगामा हुआ। प्रियंका ने कहा कि अध्यापक, छात्र, माता-पिता सब पूछ रहे हैं कि ▶▶ शेष पेज 7 पर

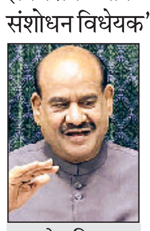

ओम बिरला

क्या छात्रों के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार हो रहा है?

पीएम ने ऐसा शिक्षा मंत्री चुना है जिन्होंने एक गर्भवती महिला के साथ बलात्कार के दोषियों की रिहाई पर खुशी जताई थी

अध्यापक, छात्र, माता-पिता सब पूछ रहे हैं कि बच्चों पर लाठियां और पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया?

मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आरोपों को बताया निराधार, कहा- माफी मांगें प्रियंका

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रियंका गांधी को बोलने से पहले तथ्यों और बयानों की सच्चाई जांच लेनी चाहिए थी। ये आरोप पूरी तरह से गलत जानकारी और झूठ पर आधारित हैं। क्या संसद में कोई भी कुछ भी बोलकर बच सकता है? गलत जानकारी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्हें अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए।

जितेंद्र सिंह बोले- पेपर लीक करने वालों को 5 महीने में मिलेगी सजा

लोकसभा में मंगलवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू हुई। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, संगठित परीक्षा घोटालों और अन्य अनुचित गतिविधियों पर पहले से अधिक प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन के लिए लाया गया है। उन्होंने बताया कि 2024 का कानून परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन अब उसे और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद सरकार यह संशोधन लेकर आई है ताकि ▶▶ शेष पेज 7 पर

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे शुरू हुई सदन में चर्चा

सार्थक विचारों से स्थापित होगी शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता संग विश्वसनीयता : बिरला

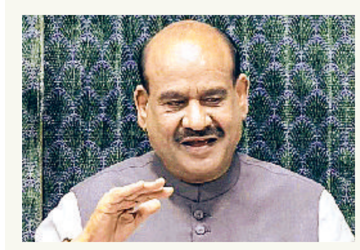

सार्वजनिक परीक्षाएं संशोधन विधेयक पर लोकसभा में चर्चा की शुरुआत से पहले पक्ष-विपक्ष के बीच हुई तीखी नोंकझोंक पर लोकसभा अध्यक्ष की नसीहत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में राजधानी में हुए छात्रों के प्रचंड प्रदर्शन के बाद मंगलवार को आखिरकार वो दिन आ ही गया। जब संसद में एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे से ‘सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधन रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026’ पर चर्चा की शुरुआत हो गई है। इस बाबत सबसे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन के पटल पर एक प्रस्ताव रखा। जिसके तुरंत बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखा वाद-विवाद देखने को मिला। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दोनों पक्षों को टोकते हुए यह समझाइश दी कि मामले पर सदन में कुल 6 घंटे तक चर्चा करने का समय तय किया गया है। अगर विपक्ष चाहता है तो सरकार इस अवधि को बढ़ाने के लिए पूरी ▶▶ शेष पेज 7 पर

मोदी सरकार करेगी 10 घंटे तक चर्चा

संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा, पहले इस विषय पर सदन में चर्चा के लिए 6 घंटे का समय तय किया गया था। आज भी मैंने कांग्रेस, द्रमुक, एनसीपी और समाजवादी पार्टी समेत अन्य सभी दलों के चीफ व्हिप के साथ विचार-विमर्श किया है। जिसमें यह तय किया गया है कि लोकसभा में अब इस चर्चा को 6 से बढ़ाकर 8 घंटे किया जाएगा। अगर कांग्रेस पार्टी चाहे तो कांग्रेस के सदन में चीफ व्हिप मणिकम टैगोर को बुलाकर भी इस मामले में सरकार और विपक्ष के बीच मामले पर बनी सहमति के बारे में पुष्टि कर सकती है। बिरला ने भी कहा कि सरकार को चर्चा का समय बढ़ाने पर कोई समस्या नहीं है। जिस पर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि हम चर्चा को 8 से बढ़ाकर 10 घंटे तक भी करने के लिए भी राजी हैं।

राज्यसभा में खत्म नहीं हुआ विपक्ष का हंगामा, एमएसएमई विधेयक पेश होते ही दिनभर के लिए हुआ स्थगन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में नीट मुद्दे और छात्रों के प्रदर्शन पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर जारी गतिरोध मंगलवार को भी नहीं टूटा। राज्यसभा में विपक्ष के भारी हंगामे के बीच सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया, लेकिन सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल सकी और अंततः उपसभापति हरिवंश ने सदन को बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। हंगामें की वजह से पहले 12 बजे तक फिर दोपहर 2 बजे तक कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। भोजनावकाश के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने एमएसएमई डेवलपमेंट (अमेंडमेंट) बिल 2026 पेश किया।

सरकार का कहना है कि यह विधेयक वर्ष 2006 के मूल कानून में संशोधन कर एमएसएमई क्षेत्र को और अधिक सक्षम तथा प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। हालांकि विधेयक पेश होते ही विपक्षी दलों के सदस्य अपनी सीटों से उठकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष का आरोप था कि नीट मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ पुलिस ने बल प्रयोग किया और सरकार इस मामले पर जवाब देने से बच रही है। विपक्ष लगातार इस विषय पर तत्काल चर्चा और सरकार की ओर से विस्तृत बयान की मांग कर रहा है। उपसभापति हरिवंश ने कई बार सदस्यों से अपनी-अपनी सीटों पर लौटने और विधायी कार्य चलने देने की अपील की, लेकिन हंगामा नहीं थमा। लगातार शोर-शराबे के बीच सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाना संभव नहीं होने पर उन्होंने राज्यसभा की बैठक पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी।

कई दिनों से जारी है गतिरोध

संसद के मानसून सत्र में पिछले कई दिनों से नीट विवाद, छात्रों के प्रदर्शन और कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत सामान्य कार्यवाही स्थगित कर तत्काल चर्चा की मांग करता रहा है, जबकि सरकार का कहना है कि वह चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन सदन की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। विपक्ष की मांग है कि छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई की जवाबदेही तय की जाए और सरकार सदन में स्पष्ट बयान दे। वहीं सरकार का आरोप है कि विपक्ष जानबूझकर विधायी कार्य में बाधा डाल रहा है। इसी टकराव ▶▶ शेष पेज 7 पर

राष्ट्रपति पद सम्मान नहीं, बड़ी जिम्मेदारी, 4 वर्ष पूरे होने पर उपराष्ट्रपति के साथ पुस्तक रिलीज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष पुस्तक विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति के कार्यकाल पर आधारित पांच स्मारक पुस्तकों का विमोचन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति का पद केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि अत्यंत बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना उनके व्यक्तिगत सपनों से भी कहीं आगे की यात्रा रही है और यह देश के लोकतंत्र की शक्ति का प्रतीक है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान उन्होंने देश के युवाओं को नैतिक मूल्यों से जुड़े रहने और राष्ट्र व समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए लगातार प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के चरित्र ▶▶ शेष पेज 7 पर

प्रधानमंत्री मोदी से मिली हरियाणा भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता, संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

गुप्ता ने प्रधानमंत्री को पुराल से बना कमल भेंट किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान डा. अर्चना गुप्ता ने ‘‘पुराल’’ से निर्मित कमल का पुष्प भेंट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया। लगभग आधे घंटे तक चली इस मुलाकात में संगठनात्मक, सामाजिक और महिला सशक्तिकरण तथा विकसित भारत के संकल्प सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, प्रत्येक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने तथा सेवा, सुशासन ▶▶ शेष पेज 7 पर

धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय बदलने का प्रस्ताव नहीं रखा, भाजपा ने रिपोर्ट्स को निराधार बताया

इस तरह की खबरें मुद्दे को सनसनीखेज बनाने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई : पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने धर्मेंद्र प्रधान से जुड़ी उन मीडिया रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है जिसमें कहा गया है कि शिक्षा मंत्रालय से हटाकर उनको कोई दूसरा मंत्रालय देने की पेशकेश कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से बातचीत के दौरान रखी गई थी। उन खबरों में ऐसा दावा किया गया है कि सीजेपी की ओर से धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय बदलने के प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया गया था। भाजपा का कहना है कि मंत्रालय बदलने के प्रस्ताव और उसके बाद इस्तीफे से जुड़े दावे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि ऐसी खबरें केवल अनावश्यक विवाद और भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई हैं। भाजपा ने मंगलवार को ▶▶ शेष पेज 7 पर

उपचुनाव के लिए प्रचार थमा, त्रिकोणीय मुकाबले के लिए कल पड़ेंगे वोट

भाजपा और एनडीए ने झोंकी ताकत एक लाख से ज्यादा वोट से चुनाव जीतने का दावा

बांकीपुर उपचुनाव: नितिन नवीन की सीट पर कांटे का मुकाबला, जेन-जी बड़ा फैक्टर

जन सुराज प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने प्रचार के दौरान शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर रखा फोकस

आनंद राणा ▶▶ नई दिल्ली

बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा, कौन जीतेगा कौन हारेगा यह सवाल अब देशव्यापी चर्चा का केंद्र बना हुआ है। भाजपा के लिए इस सीट को बचाये रखना प्रतिष्ठा की बात बन गई है। जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर पहली बार चुनाव मैदान में उतरे हैं और वे भाजपा को पटकनी देकर यहां से जीत हासिल करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। राजद भी चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए ताल ठोंक रहा है। भाजपा की तरफ से लगातार दावा किया जा रहा है कि एक लाख से ज्यादा वोटों से पार्टी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा यह चुनाव जीतेंगे। बावजूद इसके बांकीपुर में कांटे का मुकाबला माना जा रहा है। प्रशांत किशोर के चुनाव मैदान में कूदने के बाद से चुनाव रोचक बन गया है। पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रशांत किशोर प्रचार के दौरान अपने तर्कों के जरिये लोगों को यह समझाने में जुटे रहे कि भाजपानीत एनडीए गठबंधन को हराना लोगों के लिए और क्षेत्र के विकास के लिए क्यों जरूरी है। दूसरी तरफ भाजपा के बहुत से दिग्गज विधानसभा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी से यह साबित कर रहे हैं कि यह सीट उनके लिए कितनी अहम है। गौरतलब है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन यहां से विधायक थे, राज्यसभा का सदस्य बनने की प्रक्रिया में उन्होंने बिहार विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। ▶▶ शेष पेज 7 पर

जेन-जी आंदोलन के बाद हो रहा चुनाव

हाल ही में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के बड़े आंदोलन के बाद यह उपचुनाव हो रहा है। बांकीपुर के जेन जी युवाओं के रूख इस चुनाव की हार जीत में बड़ा फैक्टर साबित हो सकता है। बिहार में खासकर पटना में जिस प्रकार से प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, उसके बाद से माहौल में एक अजीब सी बेचैनी बतायी जा रही है। भाजपा की इस बात पर पैनी नजर है। पार्टी को उम्मीद है कि आंदोलन खत्म होने तथा प्रदर्शनकारियों से जुड़े पुलिस केस वापस लेने के फैसले के बाद ज्यादातर युवा उनके उम्मीदवार को ही वोट देंगे। दूसरी तरफ प्रशांत किशोर को युवाओं में फैले आक्रोश में अपनी जीत नजर आ रही है। उनका मानना है कि बेरोजगारी, विकास और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर युवा वोटर जुन सुराज के पक्ष में लामबंद होकर वोट डालेगा। राजद की उम्मीदवार रेखा गुप्ता की जीत के दावे कर रहे तेजस्वी यादव मुकाबले को त्रिकोणिय बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। राजनीतिक दलों को युवाओं की ताकत का अंदाजा भलीभांति है और वे उनका वोट पाने के लिए हरसंभव वादे करने में जुटे हैं।

खबर संक्षेप

यमुना में बह गए चार लोग, दो के शव बरामद

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गांधीनगर इलाके में सोमवार शाम चार लोग यमुना में बह गए। इनमें से दो के शव मंगलवार को बरामद कर लिए गए। बोट क्लब के एक सदस्य ने बताया कि खराब मौसम की वजह से खोज अभियान फिलहाल रोक दिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम जीरो पुश्ता रोड पर मदीना मस्जिद के पास हुई। शाम सात बजकर करीब 20 मिनट पर पुलिस को सूचना मिली, जिसके बाद एक टीम को मौके पर भेजा गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को भी घटना की सूचना दी गई और दो बचाव दल मौके पर भेजे गए। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि टीमों के मौके पर पहुंचने के फौरन बाद खोज अभियान शुरू कर दिया गया था और अब तक दो शवों को निकाल लिये गये हैं। खराब मौसम की वजह से तलाश अभियान रोकना पड़ा है और मौसम ठीक होने पर इसे फिर शुरू किया जाएगा। शवों और लापता अन्य लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। साथ में यह घटना कैसे हुई, इसकी भी फिलहाल जानकारी नहीं है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दुबई और यूके से जुड़े एक बड़े म्यूल अकाउंट सिंडिकेट का पर्दाफाश

नई दिल्ली। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस ने दुबई और यूके से जुड़े एक बड़े मल्टी स्टेट और इंटरनेशनल म्यूल अकाउंट सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। यह सिंडीकेट 10 हजार के साइबर फ्रॉड से शुरू होकर 70 करोड़ के नेटवर्क तक पहुंच चुका था। इस सिलसिले में 10 लोगों को पकड़ा गया है। इनमें सूर्योदय बैंक का मैनेजर और इंडसइंड बैंक के चार अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 248 बैंक अकाउंट किट जब्त की है। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के अनुसार यह सिंडीकेट पिछले तीन चार सालों से भारत, दुबई और यूके में धोखेबाजों को कॉर्पोरेट करंट बैंक अकाउंट सप्लाई कर रहा था। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक के मैनेजर समेत इंडसइंड बैंक के चार अधिकारी व कर्मचारी पकड़े गये हैं,जो केवाईसी नियमों को दरकिनार करते थे। आरोपियों से 248 बैंक अकाउंट किट, 38 सिम कार्ड, 22 मोबाइल फोन, 28 फर्जी फर्म स्टैम्प, 55 अलग अलग बैंकों के डेबिट क्रेडिट कार्ड, एक लाख रुपये नकद और एक ब्रेजा कार जब्त की गई है। इन 248 अकाउंट्स के जरिए 70 करोड़ से ज्यादा का लेनदेन हुआ। ये अकाउंट्स 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 156 एनसीआरपी शिकायतों से जुड़े थे, जिनमें 20 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी शामिल थी। पुलिस ने इन खातों में 56 लाख फ्रीज भी करवाये हैं।

डीटीसी बस में बैठकर सड़कों पर निकलीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

फाइलों पर नहीं, जमीन पर दिखेंगे विकास कार्य: सीएम

- राजधानी को स्वच्छ व सुगम बनाना प्राथमिकता
- मॉनसून और नागरिक सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार राजधानी के विकास कार्यों की केवल फाइलों के आधार पर समीक्षा नहीं करेगी, बल्कि प्रत्येक महत्वपूर्ण परियोजना का जमीनी स्तर पर निरीक्षण कर उसकी प्रगति सुनिश्चित करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को डीटीसी बस में यात्रा कर मॉनसून और नागरिक सुविधाओं का व्यापक स्थलीय निरीक्षण करने के बाद यह यह बात कही। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित, सुगम एवं सुंदर राजधानी उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी विभागों को मिशन मोड में कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि लैंडफिल साइट्स, जलभराव और सड़कों की स्थिति का निरीक्षण कर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने जन सेवा सदन से बस द्वारा निरीक्षण यात्रा प्रारंभ की, जो आउटर रिंग रोड, मधुबन चौक होते हुए रोहिणी स्थित सेक्टर-33 के डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक पहुंची। यात्रा के दौरान उन्होंने मार्ग में लैंडफिल साइटों पर चल रहे कचरा निष्पादन कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि राजधानी में कूड़े के पहाड़ों को समाप्त करने के लिए चल रहे अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हो। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रवीन्द्र इन्द्राज सिंह समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सड़क किनारे जमा मलबे एवं कचरे की स्थिति का लिया जायजा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान वर्षा के कारण संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों, प्रमुख सड़कों की सफाई व्यवस्था और सड़क किनारे जमा मलबे एवं कचरे की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए और किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। उन्होंने सड़कों के चौड़ीकरण, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजधानी की सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं बल्कि दिल्ली की पहचान हैं, इसलिए उनका सुव्यवस्थित और सुरक्षित होना बेहद जरूरी है।

सड़क किनारे कूड़ेदान स्थापित करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सड़क किनारे पर्याप्त संख्या में कूड़ेदान स्थापित करने, प्रमुख चौराहों व सड़क किनारे हरित क्षेत्र विकसित करने और खाली दीवारों को आकर्षक चित्रों व कलात्मक पेंटिंग्स के माध्यम से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और सौंदर्यीकरण साथ-साथ चलें, तभी दिल्ली वास्तव में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय राजधानी के रूप में विकसित होगी।

रोहिणी स्थित डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने रोहिणी स्थित डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। बैठक में सड़कों की स्थिति, पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छता, हरित क्षेत्र के विकास, जलभराव रोकथाम और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित कार्यों की नियमित म ॉनिटरिंग की जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रत्येक परियोजना को गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि दिल्ली के नागरिकों को शीघ्र ही इन प्रयासों का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

पुल प्रहलादपुर में व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के पुल प्रहलादपुर इलाके में सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई ताबड़तोड़ फायरिंग में एक 28 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका एक साथी घायल हुआ। मृतक की पहचान मोहम्मद इरशाद उर्फ गुड्डु (28) के तौर पर हुई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेजा गया है।

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के संबंध में देर रात 12 बजकर 41 मिनट पर पुल प्रहलादपुर थाने को सूचना मिली। इसके बाद एक टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में इरशाद के साथी 27 वर्षीय मोहम्मद फारुक के हाथ में गोली लगी, जिसे एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया और उपचार के बाद उसे छुट्टी दे गई। क्राइम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने क्राइम सीन का निरीक्षण किया और सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने मौके से कारतूस के 10 खोखे और दो कारतूस बरामद किए, जिन्हें जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि हमलावरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। जांचकर्ता आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं, जबकि आरोपियों का पता लगाने के लिए तकनीकी निगरानी और जांच के अन्य तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हत्या व हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल सका है। जांचकर्ता व्यक्तिगत दुश्मनी तथा आपराधिक संबंधों सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि आरोपियों को जल्द पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने यात्री से सोने से भरे तीन कैप्सूल किए बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने जकार्ता से आए एक यात्री को रोककर उसके कब्जे से तीन कैप्सूल बरामद किए, जिनमें 744 ग्राम सोना होने का संदेह है। यात्री ने स्वीकार किया कि उसने इन कैप्सूल को निगल रखा था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सोमवार को यहां पहुंचे इस यात्री को अग्रिम यात्री सूचना प्रणाली (एपीआईएस) प्रोफाइलिंग के आधार पर ग्रीन चैनल से बाहर निकलने के बाद रोका गया। बयान में कहा गया कि यात्री के सामान की एक्स-रे जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। हालांकि, यात्री का व्यवहार संदिग्ध प्रतीत होने परअधिकारी उसे विस्तृत पूछताछ के लिए एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के कार्यालय ले गए। बयान में कहा गया, ₹लगातार पूछताछ के दौरान यात्री ने स्वीकार किया कि उसने कुल 744 ग्राम वजन के सोने के तीन ठोस टुकड़े निगल रखे थे।₹ इसमें कहा गया है कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सोना निकालने के लिए सोने के पेस्ट से भरे होने के संदेह वाले तीन अंडाकार कैप्सूल को आगे भेज दिया गया है।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	93-R1-SRDEE-G-DLI-2026-27 एसएसई/पीएस/एचजेडएनएम के अधिकार क्षेत्र में रेलवे क्वार्टरों की री–वायरिंग।
निविदा की अनुमानित लागत	रू. 8780764.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
बयाना राशि	रू. 175600.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	18.08.2026, 16.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	18.08.2026, 16.00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2595/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **कोनिन, पुत्रः जाहिर, निवासीः मकान नंबर एफ–346, गली नंबर 18, जनता कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 847/2020 U/S 392/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना वेलकम, उत्तर–पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **कोनिन** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **कोनिन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 847/2020 U/S 392/411/34 IPC, थाना वेलकम, उत्तर–पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **कोनिन**, को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 01.09.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री दीपाक्षी राणा,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03,
शाहदरा जिला, कमरा नंबर 19, पहली मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली।

DP/10370/NE/2026
(अदालती मामला)

हथियार तस्करी और टेरर मॉड्यूल से जुड़े दो और किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने इंटरनेशनल हथियार तस्करी और टेरर मॉड्यूल से जुड़े दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे एक सब मशीन गन और तीन हाई एंड हथियार और 82 कारतूस बरामद किए गए। इस सिंडीकेट से जुड़े अब तक 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और विदेश में बने 32 अत्याधुनिक हथियार व 363 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। मामले में पहले ही यूएपी एक्ट की धाराएं लगाई जा चुकी हैं। पूरे नेटवर्क को पाकिस्तानी खूफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन प्राप्त होने का खुलासा पुलिस ने किया है।

क्राइम ब्रांच की एआरएससी टीम ने शाहबाज अंसारी के अंतर्राष्ट्रीय हथियार तस्करी और टेरर मॉड्यूल के जिन दो और मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है इनके नाम महफूज अली उर्फ बॉबी उर्फ कबूतर (43) और मो. अहमद (35) हैं। शुरुआत में इस मामले में 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और उनके पास से 28 हथियार, जिनमें एक सब मशीन गन भी शामिल थी और 281 कारतूस बरामद किए गए थे। गिरफ्तार किया गया महफूज अली दिल्ली के जाफराबाद का रहने वाला है। वह आठवीं कक्षा तक पढ़ाई के बाद अपने परिवार के ताला बनाने के कारोबार में शामिल रहा। धीरे धीरे वह अपराध की दुनिया में चला गया और उत्तर पूर्वी दिल्ली में सक्रिय कुख्यात अपराधियों और संगठित गिरोहों से जुड़ गया। उसका आपराधिक इतिहास 2006 से शुरू हुआ। इसे पहली बार गिरोहों की आपसी दुश्मनी के कारण हुई गोलीबारी की घटना के बाद हत्या की कोशिश के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वह कई गैंगवार और साबिर अली उर्फ नन्हे, इरशाद, अकील मामा, जाहिद और हाल ही में नदीम उर्फ चाचा फाडू की हत्या में शामिल रहा। वह शमीम बर्फ वाला, साबिर चौधरी, हाशिम बाबा, राशिद केबल, दानिश, अनवर उर्फ मोगली, नासिर उर्फ चिववाला और अन्य जैसे कुख्यात अपराधियों के साथ जुड़ा हुआ है। 2019 में मकोका के एक मामले में उसका नाम सामने आया था, जिसके बाद वह काफी समय तक फरार रहा। मो. अहमद जौनपुर, उत्तर प्रदेश का निवासी है। इसने 2010 में अपनी पढ़ाई छोड़ने से पहले 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की थी। शुरुआत में इसने कोरबा, छत्तीसगढ़ में एक मोबाइल फोन की दुकान और बाद में एक कंप्यूटर की दुकान में काम किया। हालांकि जौनपुर लौटने के बाद वह धीरे धीरे आपराधिक तत्वों के संपर्क में आया और हथियारों की तस्करी में शामिल हो गया था।

स्पेशल ऑपरेशन में 12 साइबर अपराधी गिरफ्तार, छह केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिमी जिले की साइबर पुलिस ने धोखाधड़ी व ठगी का पैसा एटीएम से निकालने वाले एक दर्जन लोगों को एक 24 घंटे के स्पेशल ऑपरेशन के दौरान दबोच लिया। इस सिलसिले में छह एफआईआर दर्ज की गई है। 68 म्यूल बैंक अकाउंट्स की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार टारगेट किए गए 28 एटीएम और 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज का एनालिसिस किया गया। पहचाने गए अकाउंट्स से जुड़ी 100 से ज्यादा एनसीआरपी शिकायतें मिलीं, जिनमें लाखों रुपये की धोखाधड़ी शामिल है। आरोपियों से 20 मोबाइल फोन, 14 सिम कार्ड, दो चेक बुक, तीन कंप्यूटर सिस्टम, एक राउटर, एक स्कूटी और चार रबर स्टैम्प बरामद हुये हैं। डीसीपी हरेश्वर स्वामी के अनुसार साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह ऐसे लोगों को काम पर रखते हैं जो कमीशन के बदले म्यूल बैंक अकाउंट खोलते हैं और एटीएम से साइबर फ्रॉड का पैसा निकालते हैं। धोखाधड़ी का पैसा सबसे पहले इन म्यूल अकाउंट्स में जमा किया जाता है और बाद में अलग-अलग एटीएम से निकाल लिया जाता है। टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के इलाके में एटीएम से पैसे निकालने के कई हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन नेटवर्क को तोड़ने के लिए साइबर पुलिस ने 24 घंटे का स्पेशल ऑपरेशन शुरू किया। धोखाधड़ी का पैसा निकालने वाले लोगों की पहचान करने के लिए एटीएम और आस-पास की जगहों के 100 से कैमरा फुटेज की जांच की गई। कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की गई। इसके परिणामस्वरूप म्यूल अकाउंट्स चलाने, धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन में मदद करने, धोखाधड़ी का पैसा निकालने और साइबर फ्रॉड ऑपरेशन चलाने में शामिल 12 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

विस सुरक्षा चूक मामला: आरोपी के मानसिक स्वास्थ्य का आकलन करने का निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने विधानसभा सुरक्षा चूक मामले के आरोपी सरबजीत सिंह के मानसिक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) को विशेषज्ञों का एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया है। यह आदेश आरोपी के वकील द्वारा अदालत को यह बताए जाने के बाद दिया गया कि सरबजीत 'बाइपोलर डिसऑर्डर' से पीड़ित है। वकील ने इस संबंध में मेडिकल बोर्ड गठित करने का अनुरोध किया था। 'बाइपोलर डिसऑर्डर' मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार है, जिसमें व्यक्ति के मनोभाव, ऊर्जा, गतिविधियों और सोचने के तरीके में असामान्य तथा अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अंकुर जैन मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के तहत आरोपी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर आरोपी को मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान के निदेशक के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। सरबजीत सिंह ने छह अप्रैल, 2026 को विधानसभा परिसर के एक प्रवेश द्वार पर कथित रूप से अपनी कार चढ़ा दी थी, जिससे वहां ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया था। अदालत ने 27 जुलाई को पारित अपने आदेश में याचिका स्वीकार करते हुए मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान के निदेशक को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप विशेषज्ञों का एक मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया। यह बोर्ड जांच करेगा कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ है या नहीं और क्या वह अपना बचाव करने में सक्षम है। अभियोजन पक्ष ने भी मेडिकल बोर्ड के गठन पर कोई आपत्ति नहीं जताई। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी।

आरएएफ ने 20 जुलाई के प्रदर्शन में पैलेट गन से चलाई थी आठ गोलियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर 20 जुलाई के 'चलो संसद' मार्च के दौरान जंतर-मंतर के पास भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आरएएफ ने पैलेट गन से आठ गोलियां चलाई थी। दिल्ली पुलिस डीसीपी रैंक के अधिकारी की अनुमति के तहत प्लास्टिक पैलेट गन समेत कई कम घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों ने पुलिस कार्रवाई से जुड़े आधिकारिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए मंगलवार को मीडिया से यह जानकारी शेयर की है।

मिली जानकारी के अनुसार इस घटना की जानकारी संसद मार्ग थाने की सामान्य डायरी (जीडी) में 22 जुलाई को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर दर्ज की गई थी। यह प्रविष्टि आरएएफ के एक उप कमांडेंट की सूचना पर की गई थी, जिसमें कहा गया कि नीली वर्दी वाला यह बल दिल्ली पुलिस के एक डीसीपी स्तर के अधिकारी के साथ जंतर-मंतर क्षेत्र के जोन-1 में तैनात था। थाने के अभिलेखों के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि 20 जुलाई को डीसीपी के निर्देश पर आरएएफ ने 55 नॉन-इलेक्ट्रिकल शेल, 15 इलेक्ट्रिकल शेल, पांच आंसू गैस के गोले दागे थे। इसके अलावा कम घातक दंगारोधी बंदूक से दो और पैलेट गन से भी दो राउंड गोलियां चलाई गई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आरएएफ की अन्य टुकड़ियों ने अन्य विरोध स्थलों पर भी पैलेट गन का इस्तेमाल किया था या नहीं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के इस्तेमाल के दावे पूरी तरह झूठे और भ्रामक हैं। सीआरपीएफ और आरएएफ ने अब तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। सूत्रों ने बताया कि पैलेट गन के एक राउंड में प्लास्टिक के चार छर्रे होते हैं। ये धातु के उन छर्रों से अलग होते हैं, जो शरीर को भेद सकते हैं। प्लास्टिक के इन छर्रों से अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग, विशेषकर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा है।

सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ़ की जाएगी सख्त कार्रवाई: पंकज कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- दिल्ली के नरेला में नकली दवाओं और स्टेरॉयड का बड़ा रैकेट पकड़ा
- दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की संयुक्त कार्रवाई में मिली बड़ी सफलता

नकली दवाओं के जरिए लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ़ दिल्ली सरकार की नीति ज़ीरो-टॉलरेंस की है और लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ़ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने हरियाणा के फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर दिल्ली के नरेला में दो दिनों तक एक बड़ा एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान एक रिहायशी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में चल रहे अवैध ड्रग्स बनाने और उनका स्टॉक करने वाले से जुड़े एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया गया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार ने बातया कि दिल्ली के नरेला में नकली दवाओं और स्टेरॉयड का बड़ा रैकेट पकड़ा गया। दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि नकली और घटिया दवाएं जन-स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं और इनके निर्माण या वितरण में शामिल लोगों के खिलाफ कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान की सफलता पर दिल्ली ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट, एफडीए हरियाणा और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को बधाई देते हुए मंत्री पंकज ने कहा कि हमारी सरकार निगरानी व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत करेगी, प्रवर्तन कार्रवाई को और तेज करेगी और दिल्ली के लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की कोशिश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और संगठन के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगी। ऐसी आपराधिक गतिविधियों के प्रति हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस गैर-कानूनी काम में शामिल पूरे नेटवर्क का पता लगाने, ज़ब्त दवाओं के स्रोत और वितरण चेन का पता लगाने और फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां, सोनीपत	कच्चे माल (एडीबल अथवा नॉन–एडीबल) की आपूर्ति के लिए निविदा सूचना।	29.07.2026 12.08.2026	12 लाख	www.bpsmv.ac.in	1263283602 ugi@bpswomenuniversity.ac.in
2	भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां, सोनीपत	बीपीएसएमवी खानपुर कलां में एचआरडीसी / एमएमटीटीसी हॉस्टल बिल्डिंग के पुनरोद्धार हेतु निविदा।	09.07.2026 03.08.2026	20.36 लाख	www.bpsmv.ac.in	9416486361 oen@bpswomenuniversity.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/60/47589/1/88/7 दि. 28.07.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम फरीदाबाद	वार्ड नं. 18, फरीदाबाद में गली नं. 06, 07 22' रोड.. मंजीत वाली गली एफसीए 100 में सीमेंट कंक्रीट एम–25 ग्रेड के माध्यम से सड़कों की मरम्मत + 16 कार्यों हेतु आकलन।	24.07.2026 31.07.2026	2,96,81,206/-	https://etenders.hry.nic.in	1292411649 nitinkadian.ulb@hry.gov.in
2	नगर निगम फरीदाबाद	नगर निगम फरीदाबाद के मध्य जोन में सड़कों की मशीनीकृत और मैनुअल स्वीपिंग हेतु एजेंसी के चयन के लिए आरएफपी। पुनः आमंत्रण।	27.07.2026 17.08.2026	120.56 करोड़	https://etenders.hry.nic.in	1292411649 memandeep183@gmail.com
3	नगर निगम फरीदाबाद	वार्ड नं. 20, फरीदाबाद के इन्दिरा एंक्लेव में 01 अदद डीटीएच नलकूप बोर के प्रावधान + 2 कार्यों हेतु कच्चा लागत आकलन।	27.07.2026 03.08.2026	85,41,792/-	https://etenders.hry.nic.in	1292411649 nitinkadian.ulb@hry.gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/60/47593/1/88/7 दि. 28.07.26

GALGOTIAS UNIVERSITY

Globally Ranked, Consecutively *for* 3 Years

Powered by Industry Led Advanced Labs, Career Focussed Courses & Innovation-Driven Learning with our Active Learning Model

Ranked 3rd AMONGST PRIVATE UNIVERSITIES IN UTTAR PRADESH
Ranked 46th AMONGST TOP PRIVATE AND GOVERNMENT UNIVERSITIES IN INDIA

Ranked 16th AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES IN INDIA

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2027 RANKED 1201-1400

THE World University Rankings 2026

Ranked 27th AMONGST TOP PRIVATE UNIVERSITIES/ INSTITUTIONS IN INDIA.
Ranked 65th AMONGST TOP INDIAN GOVERNMENT & PRIVATE UNIVERSITIES/ INSTITUTIONS

THE World University Rankings Asia
Band 501-600 AMONGST THE TOP RATED GLOBAL UNIVERSITIES
OFFICIALLY REVEALED IN HONGKONG

Launched India's Finest Active Learning Campus

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM

• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

Centre for Drone Intelligence & Simulation

Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab

Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab

HP-Intel AI for Future Workforce Lab

Semiconductor Research Lab

Advanced EV Centre of Excellence by L&T EduTech

Powered By Industry Integrated Academic Centres

Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs

Advanced Geotechnical and Earth Science Centre

Centre for Design Thinking & Augmented Reality

TATA Technologies Learning Centre

Cisco Centre of Excellence

CodeXperience Centre by Capgemini

Batch 2026 Placement Highlights: 5500+ Placement Offers Secured as on date

526 Students Placed in Infosys	228 Students Placed in Capgemini	205 Students Placed in cognizant	119 Students Placed in LTM	188 Students Placed in City Union Bank Ltd	91 Students Placed in accenture	61 Students Placed in EY

GALGOTIAS INCUBATION CENTRE
FOR RESEARCH INNOVATION STARTUP & ENTREPRENEURS
Government of UP Recognized Incubator

INR 3 Crore raised by Cybergenix Security Pvt. Ltd., an incubated startup of Galgotias University in Cyber Security domain.

30+ Startups with Revenue | 135+ Startups supported till date | 3 Startups crossed 1 Crore Revenue | 40+ Active Startups | 61 Strategic partners

NAAC GRADE A+ Accredited University | nirf National Institutional Ranking Framework (NIRF) | Tech Alliance Partner aws

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSSED 2026–27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES

Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Quantum Technologies | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship

For Admissions Scan to Apply

GALGOTIAS UNIVERSITY

#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: 9810162221, 9717300418, 9582847072 | 97173 00343 | 0120-4370000

Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | Email: admission@galgotiasuniversity.edu.in

छात्राओं,शिक्षकों और सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत छात्रों ने किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के पटेल नगर स्थित कालिंदी कॉलेज में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सैकड़ों फलदार पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन इंद्रप्रस्थ संजीवनी संस्था और कालिंदी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल के लिए भी प्रेरित करना है। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं, शिक्षकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इंद्रप्रस्थ संजीवनी के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा गंगापुत्र ने कहा कि तेजी से हो रहे शहरी विकास के कारण बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हो रही है। ऐसे में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है।

मेयर जोशी ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की

ओपी भल्ला फाउंडेशन ने पौधारोपण अभियान के साथ दिया स्वच्छता व पर्यावरण का संदेश

फाउंडेशन ने अपने खर्चे पर 40 से भी अधिक डंपर भर कर कूड़ा निकाल कर नगर निगम के सेक्टर 21 में स्थित कूड़ा संग्रहण में पहुंचाया, फिर विशेष पौधारोपण अभियान आयोजित किया...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के शुभ अवसर पर मंगलवार को मानव रचना शिक्षण संस्थान द्वारा स्थापित डा.ओपी भल्ला फाउंडेशन ने जनहित से जुड़े अपने उद्देश्यों व लक्ष्य के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की सराहनीय पहल की। इसके तहत फाउंडेशन की ओर से फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन एनसी वधवा के दिशा निर्देशन में सेक्टर-21 सी पार्ट-3 और सूरजकुण्ड-अनखीर रोड से सेक्टर-46 की ओर जाने वाले मार्ग पर 15 स्थान जो कूड़े से अटे पड़े थे, उनको दो दिन में पूर्णतया साफ करवाया। इसके लिए फाउंडेशन ने अपने खर्चे पर अर्थमूवर और डंपर मंगाए। यहां से 40 से भी अधिक डंपर भर कर कूड़ा निकाल कर नगर निगम के सेक्टर 21 में स्थित कूड़ा संग्रहण में पहुंचाया गया।

15 स्थानों को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया

अभियान के तहत फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते चिन्हित 15 ऐसे स्थानों से कचरा हटाया जहां अक्सर कूड़ा पड़ा रहता था। स्वयंसेवकों ने इन स्थलों की पूरी तरह से सफाई कराने के बाद उन्हीं स्थानों पर मेयर प्रवीन बत्रा जोशी व स्थानीय पार्षद लिखी चपराना के साथ पौधारोपण कर उन्हें हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। पूरा आयोजन फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

30 जुलाई तक किया बारिश का अलर्ट जारी

गाजियाबाद। मौसम विभाग ने 30 जुलाई तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके लिए गाइड लाइन जारी की है और अपील की है कि जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा आंधी-तूफान, ओलावृष्टि, वज्रपात के साथ संभावित व्यापक वर्षा शुरू होने की संभावना व्यक्त की गई है।

बारिश के बीच यातायात व्यवस्था संभाल रही पुलिस

फरीदाबाद। लगातार बदलते मौसम, बारिश एवं उमस भरी गर्मी के बावजूद फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। मंगलवार को बारिश के दौरान जिले के सभी प्रमुख चौराहों, राष्ट्रीय राजमार्गों एवं व्यस्त मार्गों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहे।

ईसीयू कार्ड चोरी करने वाला चालक गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सेक्टर.31 पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रांजिट मिक्सर ट्रक से ईसीयू कार्ड चोरी करने के मामले में आरोपी चालक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा ईसीयू कार्ड बरामद किया है। थाना सेक्टर-31 पुलिस ने घटनाक्रम के संबंध में 27 जुलाई को आरोपी हरिओम को उसके गांव बढीरा अलीगढ़ से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया ईसीयू कार्ड भी बरामद कर लिया।

चोरीशुदा दो बाइक सहित दो आरोपी काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा ऊंचा गांव तथा एवीटीएस सिकरौना की टीम ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। एक महिला की शिकायत पर 26 जुलाई को थाना बल्लभगढ़ में बाइक चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अपराध शाखा ऊंचा गांव ने संदीप को बाईपास रोड सेक्टर-3 के पास से चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार किया।

बच्चों को मिल रहा पौष्टिक भोजन

गुरुग्राम। पोषण ही कुपोषित बच्चे ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मजबूत नींव होते हैं। इसी सोच के साथ हरियाणा सरकार व अन्नामृत फाउंडेशन की साझेदारी राज्य के सरकारी स्कूल के लाखों विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत संचालित पहल बच्चों को पौष्टिक मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, शिक्षा व समग्र विकास को भी नई दिशा दे रही है।

पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाने का संदर्भ प्राप्त हुआ

नगर आयुक्त ने जन समस्याओं से जुड़ी 16 शिकायतों पर की करवाई

निर्माण विभाग से 6, उद्यान विभाग से 1, स्वास्थ्य विभाग से 2 , प्रकाश विभाग से 1, टैक्स विभाग से 3 , जलकल विभाग से 2 तथा पशु चिकित्सा विभाग से 1 शिकायतें प्राप्त हुई। नगर आयुक्त ने प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए विभागों को निर्देश दिया गया। जिसके क्रम में अधिकारियों ने कार्यवाही की...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

संभव के अंतर्गत शास्त्री नगर से हाउस टैक्स का संदर्भ प्राप्त हुआ, लाल कुआं से हाउस टैक्स का संदर्भ प्राप्त हुआ, नंदग्राम से स्ट्रीट लाइट का संदर्भ प्राप्त हुआ, नेहरू नगर से सफाई कर्मचारियों की तैनाती का संदर्भ प्राप्त हुआ, वसुंधरा से पार्क की मरम्मत का संदर्भ प्राप्त हुआ, विजयनगर से रोड निर्माण का संदर्भ प्राप्त हुआ, राकेश मार्ग से पीएसएल आपूर्ति तथा पॉलिथीन मुक्त अभियान चलाने का संदर्भ प्राप्त हुआ, राज नगर एक्सटेंशन में कुत्तों से संबंधित समस्या, नंदग्राम से सड़क मरम्मत,शिब्बनपुरा से पानी का पंप सेट चालू करने , नेहरू नगर से अवैध रूप से गेट लगाने की शिकायत की गई है। इस तरह प्राप्त 16 संदर्भों पर नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार कार्यवाही प्रारंभ की गई तथा समाधान किया गया जिसकी सूचना शिकायतकर्ताओं को भी दी गई। समस्त विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे जिसमें अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, निर्माण विभाग से विपुल तथा कुलदीप उपस्थित रहे।

» कार्यवाही की सूचना शिकायतकर्ताओं को भी दी गई

» आयुक्त के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी रहे मौजूद

48 हजार डॉग्स को लगेगी माइक्रोचिप

स्ट्रीट डॉग में माइक्रोचिप लगाने वाला यूपी का पहला ननि गाजियाबाद

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम ने स्ट्रीट डॉग्स में माइक्रोचिप लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद नगर निगम पहला नगर निगम है जिसमें स्ट्रीट डॉग्स में माइक्रोचिप लगाई जा रही है। प्रथम चरण में वसुंधरा जोन के वार्ड संख्या 100 विजयनगर जोन के वार्ड संख्या 01 के स्ट्रीट डॉग्स में माइक्रोचिप लगाने का कार्य किया जा रहा है। डॉ. अनुज उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी द्वारा बताया गया। शहर के 48हजार स्वानो का बध्यकरण व रेबीज टीकाकरण किया गया है, इसी क्रम में स्ट्रीट डॉग्स में माइक्रोचिप लगाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दिया है। जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लिया जा रहा है। कई आरडब्ल्यूए पदाधिकारी बढ़-चढ़कर माइक्रोचिप की प्रक्रिया पूर्ण करने में सहयोग कर रहे हैं, शहर को रेबीज मुक्त करने के लिए अभियान जारी है।

श्री सिद्धदाता आश्रम में गुरु पूर्णिमा

गुरु शिष्य का संबंध दिव्य चेतना का परालौकिक मिलनः स्वामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुंड मार्ग स्थित श्रीलक्ष्मीनारायण दिव्यधाम श्रीसिद्धदाता आश्रम में मंगलवार को श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ी। देसाई के दूरदराज से आए भक्तों समेत अनिवासी और प्रवासी भारतीय श्रद्धालुओं ने उत्साह और समर्पण भाव से गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया। इन श्रद्धालुओं ने अपने श्रीसदगुरुदेव श्रीरामानुज संप्रदाय के तीर्थपीठ इंद्रप्रस्थ एवं हरियाणा पीठाधीश्वर अनंतश्री विभूषित श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीपुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के प्रति समर्पण भाव दिखाते हुए पूजा.अर्चना की। विदेशों और देश के विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। श्री सिद्धदाता आश्रम के अधिष्ठता श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीपुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में स्वामी सुदर्शनाचार्य जी महाराज की समाधि पर पूजा अर्चना की गई। श्रीसिद्धदाता आश्रम में चल रहे श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव में बीते करीब एक सप्ताह से इस महापर्व में सम्मिलित होने और अपने आराध्य श्रीसदगुरुदेव के श्रीचरणों का पूजन करने के लिए देश के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि सुदूर विदेशों से भी भक्तों के आने का तांता लगा हुआ है। आश्रम में पधारे सभी श्रद्धालु श्रीसदगुरुदेव के श्रीचरणों में नतमस्तक होकर उनका अलौकिक पूजन, दर्शन और जीवन को धन्य बनाने हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं के बीच अपने प्रवचन में स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज ने कहा कि गुरु और शिष्य का संबंध परलौकिक है। यह संबंध दीक्षा से प्रारंभ होता है और जन्म जन्मांतर तक चलता है। गुरु पूर्णिमा शिष्य के जीवन में शरणागति का महापर्व है। ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से श्रद्धालुओं का मन और इंद्रियों की शुद्धि होती है।

शिष्य के जीवन में शरणागति का महापर्व

झांसा देकर 6.61 लाख की साइबर ठगी

फर्म के खाते में 1.24 करोड़ का लेन-देन, आरोपी काबू

4 राज्यों की 7 अन्य साइबर ठगी की शिकायतें भी जुड़ीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शेयर मार्केट में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस के साइबर थाना एनआईटी ने एक अहम आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवीन पालीवाल निवासी जगतपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी दिल्ली के कडकड़डूमा क्षेत्र में एक बार का संचालक है और उसने साइबर ठगों को एक कंपनी का बैंक खाता उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 अप्रैल को उसके व्हाट्सएप पर शेयर मार्केट में ट्रेडिंग के जरिए अधिक मुनाफा कमाने का संदेश आया था।

साइबर ठगी के मामलों में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

थाना एनआईटी ने 4 को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ऑनलाइन टास्क व फर्जी निवेश के नाम पर 25.80 लाख की साइबर ठगी के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ ने मामला दर्ज किया है।शिकायतकर्ता अनुसार 20 दिसंबर 2025 को उसके अकाउंट पर पार्ट-टाइम जॉब का ऑफर आया। ठगों ने ऑनलाइन टास्क पूरा करके निवेश करने पर अधिक मुनाफा देने का झांसा दिया। शुरुआत में शिकायतकर्ता ने 5000, 9000 और 2000 विभिन्न आईडी पर भेजे। कुछ समय बाद उसे मामूली लाभ वापस मिला, जिससे उसका विश्वास बढ़ गया। इसके बाद अधिक मुनाफे का लालच देकर लगातार बड़ी रकम निवेश करवाई।

बाद में तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर कहा गया कि उसकी राशि फंस गई है और अधिक पैसे जमा करने पर पूरी रकम मुनाफे सहित वापस मिल जाएगी। आरोपियों के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने 30 दिसंबर 2025 से 7 जनवरी 2026 के बीच विभिन्न बैंक खातों में कुल 25,80,728 ट्रांसफर कर दिए। जब उसने अपनी राशि वापस मांगी तो ठगो संपर्क करना बंद कर दिया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ ने 26 जुलाई को राजस्थान के कोटपुतली जिले के गांव नौरंगपुर निवासी हरिश चन्द्र को उसके घर से गिरफ्तार किया। जिसने अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसमें ठगी के 2.10 लाख प्राप्त हुए थे। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
BSNL Connecting Bharat
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMITED
(A Govt Of India Enterprise)

संख्याः BSNLCO-11/12(11)/3/2026-RECTT-CO (1)
भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) कार्यकारी निदेशक (नेटवर्क योजना और खरीद) और कार्यकारी निदेशक (नए व्यवसाय) के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी एवं नवीनतम अद्यतनों के लिए बीएसएनएल की वेबसाइट www.bsnl.co.in का नियमित रूप से अवलोकन करें।
बीएसएनएल निगम कार्यालय, नई दिल्ली
CBC-06204/12/0007/2627

प्रधान के निवास पर पहुंचे सांसद प्रदीप वर्मा

स्वर्णकार समाज की भूमिका राजनीति एवं समाज में और मजबूत होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राज्यसभा के सांसद प्रदीप वर्मा और उत्तर प्रदेश के विधायक विनय वर्मा आज सेक्टर-15 में तिगांव स्वर्णकार समाज के प्रधान सचिन वर्मा के निवास स्थान पर पहुंचे। इस अवसर पर सीनियर अधिवक्ता आरपी वर्मा, सतवीर वर्मा नंबरदार, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विकास वर्मा ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं शॉल भेट कर उनका स्वागत किया। राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा फरीदाबाद में एक निजी कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद सेक्टर-15 पहुंचे थे। इस अवसर पर सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज आज हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है आने वाले दिनों में स्वर्णकार समाज की भूमिका राजनीति एवं समाज में मजबूत होगी।

अजमीढ़ देव जी की जयंती मनाने का अनुरोध

स्वर्णकार समाज फरीदाबाद ने राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा व विधायक विनय वर्मा को एक मांगों का पत्र सौंपा। इस पर सांसद वर्मा ने आश्वासन दिया कि जल्द ही हरियाणा में स्वर्णकार कला बोर्ड का गठन होगा एवं स्वर्णकार समाज के आदि पुरुष महाराजश्री अजमीढ़ देव जी के नाम से अवकाश घोषित कराया जाएगा एवं अजमीढ़ देव जी की जयंती भी राज्य स्तर पर हरियाणा सरकार द्वारा मनाए जाने का अनुरोध किया।

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	नगर निगम रोहतक में वार्ड नं. 1 से 22 में स्थित मौजूदा शौचालयों 113 अदद (99 अदद सार्वजनिक शौचालय, 9 अदद कार्यालय शौचालय और 5 अदद चलायमान शौचालय) की उचित देखभाल करने के लिए रखरखाव, मरम्मत, पुनरोद्धार और प्रावधान (अनुमानित लागत 3 माह हेतु)।	27.07.2026 04.08.2026	34.13 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	गंदे वर्षा जल के निपटान हेतु एम.सी. रोहतक में एचएसवीपी सेक्टर-1, 2, 3 और 4 में पाइप लाइन बिछाने हेतु आकलन।	27.07.2026 17.08.2026	5528.03 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/47594/I/88/7 दि. 28.07.26

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 C.r.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विशाल, पुत्रः** अशोक, **निवासीः** वार्ड नं. 06, अशोक विहार कॉलोनी, सत्या टैक्सटाइल के पास, पानीपत, हरियाणा ने मुकदमा **FIR No. 26/2023, U/s 420/419/467/468/471 120B IPC, थानाः साइबर बवाना, आउटर नॉर्थ दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विशाल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 26/2023, U/s 420/419/467/468/471 120B IPC, थानाः साइबर बवाना, आउटर नॉर्थ दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विशाल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रियंका राजपूत
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कमरा नं. 115, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10173/ON/2026
(Court Matter)

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प करनाल	कैथल जिले में नागरिक हस्पताल सेक्टर-18 का सौन्दर्यीकरण (एयर कंडीशनर्स का प्रावधान केवल) + 3 कार्य।	28.07.2026 03.08.2026	29.52 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प रोहतक	ज्यूडीशियल कोर्ट कॉम्पलैक्स के फेज-1 बिल्डिंग हेतु एयर कंडीशनर्स का प्रावधान + 1 कार्य।	24.07.2026 03.08.2026	147.74 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwdeeedrohtak1@gmail.com
3	लोनिवि भ व प करनाल	करनाल जिले में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बल्लाह में मुख्य वर्कशॉप में ईआई की विशेष मरम्मत का प्रावधान + 3 कार्य।	25.07.2026 03.08.2026	323.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
4	पंचायती राज सोनीपत	गांव बजाना कलां, ब्लॉक गन्नौर, डिवीजन सोनीपत में ब्राह्मण चौपाल का निर्माण।	27.07.2026 03.08.2026	27.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9416391006 prexeeng.snp@gmail.com
5	सिविल सर्जन, फतेहाबाद	फतेहाबाद जिले के लैब मदों और रीजेंट 2026-27 के लिए ई-निविदा हेतु विज्ञापन के सम्बन्ध में।	30.07.2026 17.08.2026	ईएमडी 1 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9996913229 cds.ftb1@gmail.com
6	महानिदेशक उद्योग एवं वाणिज्य, हरियाणा	हरियाणा में वैश्विक क्षमता केन्द्रों (जीसीसीएस) के लिए ग्राउंडिंग इनवेस्टिंग में सहायता करने हेतु प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) के तौर पर परामर्शदायी एजेंसी की नियुक्ति।	28.07.2026 19.08.2026	2 लाख	https://haryanaindustries.gov.in/	8570000085 ipcharyana@yahoo.com
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा फतेहाबाद	मोहम्मदपुर डिस्टी. के आरडी 11500 पर गऊ घाट और क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत।	बंद होने की तिथि 01.08.2026	3.77 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466751554 xenwsdivisionfbd@yahoo.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2027/140/47618/I/88/7 दि. 28.07.26

कनॉट प्लेस, आईटीओ, कालिंदी कुंज और सदर बाजार समेत कई इलाके पानी में डूबे

दिल्ली में मूसलाधार बारिश से जनजीवन बेहाल

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। लगातार बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया, व्यस्त बाजारों में घुटनों से लेकर कमर तक पानी भर गया और प्रमुख सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिनभर भारी बारिश की संभावना जताते हुए अगले कुछ घंटों के लिए गरज-चमक के साथ तेज बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया। विभिन्न माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार लगातार हो रही बारिश के कारण कनॉट प्लेस, जनपथ, लुटियंस दिल्ली, भारत मंडपम रोड, बाराखंभा रोड, आईटीओ के पास मथुरा रोड, कालिंदी कुंज सहित कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई स्थानों पर लोगों को पानी से होकर गुजरना पड़ा, जिससे कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आईएमडी ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी है। प्रशासन ने भी जलभराव वाले क्षेत्रों में राहत एवं जल निकासी कार्य तेज करने का दावा किया है।

सत्तापक्ष और विपक्ष में चला आरोप प्रत्यारोप

जलभराव के बीच दिल्ली सरकार में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मिंटो ब्रिज का वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि वहां यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि 'बारिश लगातार हो रही है, लेकिन मिंटो ब्रिज पर जनजीवन उसी गति से चल रहा है। हमारा प्रयास यही है कि मानसून केवल एक मौसम बनकर रहे, लोगों के लिए परेशानी का कारण न बने।' वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता 'सौरभ भारद्वाज' ने सदर बाजार का वीडियो साझा कर सरकार पर सवाल उठाए। वीडियो में बाजार की सड़कों पर कमर तक पानी भरा दिखाई दिया, जहां स्कूली बच्चे, कार्यालय जाने वाले लोग और खरीदार जलमग्न रास्तों से गुजरते नजर आए।

निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन सरकार जलभराव रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश वर्मा और महापौर प्रवेश वाही के जलभराव को लेकर किए गए बड़े-बड़े दावों की आज फिर पोल खुल गई।

दिल्ली देहात के इलाके भी दिखे बारिश से प्रभावित

दिल्ली देहात के नरेला, बवाना, बुराड़ी, दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी में भी जनजीवन अस्त व्यस्त नजर आया। यहां ग्रामीण देवेंद्र सिंह प्रधान ने बताया कि असोला गांव के वाल्मीकि बस्ती मोहल्ले में लगातार बारिश के बाद हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। बरसाती नाले का पानी बस्ती में घुस जाने से पूरे इलाके में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। जलभराव के कारण कई परिवारों के घरों में पानी भर गया है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

कई प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम की स्थिति बनी

बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम की स्थिति बन गई। शंकर विहार के पास एनएच-8, जाकिर हुसैन रोड, दिल्ली कैंट-नरैना फ्लाईओवर, आईटीओ, पुरानी रोहतक रोड, मधुबन चौक-नेताजी सुभाष प्लेस मार्ग, पीरागढ़ी, एम्स के पास एनएच-48, दिल्ली-नोएडा रोड, कालिंदी कुंज और विकास मार्ग सहित कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। इसके अलावा ग्रेटर कैलाश-2, सावित्री सिनेमा, चिराग दिल्ली, हौज खास, आरके पुरम तथा एमबी रोड पर भी यातायात प्रभावित रहा।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने जलभराव स्थलों का निरीक्षण किया, शिकायतें की दूर

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार सुबह अफ्रीका एवेन्यू से जलभराव संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ सिविल, सड़क, ड्रेनेज, उद्यान तथा विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न होने तथा यातायात सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बारिश से जुड़ी 38 शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया। 19 जगह जलभराव, 6 पेड़ गिरने तथा 13 बिजली संबंधी शिकायतें तत्काल दूर की गईं।

बारिश ने भाजपा सरकार के सभी दावों की खोली पोल : यादव

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव मंगलवार को कहा कि वर्ष 2026 के मानसून की पहली बारिश ने भाजपा सरकार के सभी दावों की पोल खोल दी है और पहली बारिश ने ही जल भराव के पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है और पूरी दिल्ली में जलभराव हुआ। बाहरी क्षेत्रों में जहां कॉलोनियों में घरों, सड़कों पर पानी बह रहा है वहीं नई दिल्ली एनडीएमसी क्षेत्र में कनॉट प्लेस, जनपथ जहां जल भराव न हो इसके लिए नई पाइप लाइन डाली गई, वहां सड़कों से दुकानों में पानी घुस गया, जो सरकार की कार्यशैली और नियत को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि सरकार के 169 में से जल भराव के 34 हाट स्पॉट रहने की भी आज की बारिश ने पोल खोल दी। यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का यह दावा कि पंपों की सक्रिय निगरानी और त्वरित तैनाती ने प्रमुख सड़कों और प्रमुख अंडरपासों को जलभराव से मुक्त रखा जाएगा लेकिन आईटीओ, मंडपम, नई दिल्ली क्षेत्र में जल भराव से सब कुछ उजागर हो गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दावे को 8-9 जुलाई, 2026 को रात भर हुई बारिश के कारण मंगलवार को जलभराव और यातायात जाम ने पहले ही जल भराव रोकने की तैयारियों का खुलासा हो चुका है। भाजपा का व्यवस्थित शासन और लोकहित कार्य करना सिर्फ बयानबाजी है।

ऑटोरिक्शा पर पेड़ गिरने से बाल बाल बचे कई लोग यातायात हुआ बाधित

दक्षिण दिल्ली में शाहपुर जाट गांव के निकट अगस्त क्रांति मार्ग पर मंगलवार दोपहर एक विशाल पेड़ ऑटोरिक्शा पर गिर गया। इस हादसे में कई लोग बाल बाल बच गये। इससे क्षेत्र में यातायात भी बाधित हो गया। पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर सिविक एजेंसी के जरिये पेड़ हटवाया। पुलिस के अनुसार दोपहर लगभग एक बजे एक विशाल पेड़ खड़े ऑटोरिक्शा पर गिर गया। घटना में दूसरा ऑटोरिक्शा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों के चालक दोपहर में खाना खाने के लिये रिक्शा से बाहर थे जिस वजह से वे बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि पेड़ गिरने से अगस्त क्रांति मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई जिसके बाद पुलिस ने वाहनों के मार्ग में परिवर्तन किया।

देशभर से डीयू पहुंचे हजारों नए विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिन देश के विभिन्न राज्यों से उच्च शिक्षा के लिए आए नवप्रवेशी विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों एवं महाविद्यालयों में भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा कर एवं मिष्ठान खिलाकर आत्मीय स्वागत किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मंगलवार को बताया कि सभी महाविद्यालय इकाइयों द्वारा आयोजित 'वेलकम फ्रेशर्स' अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को महाविद्यालय जीवन के प्रथम दिन अपनत्व एवं सहयोग का अनुभव कराया गया। वहीं, मिरांडा हाउस की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) बिजयलक्ष्मी नंदा ने छात्राओं का स्वागत करते हुए उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और छात्र संगठनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मिरांडा हाउस छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव अवसर उपलब्ध कराता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को

कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी दी गई। यहां ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान नई छात्राओं ने अपनी खुशी भी साझा की। जबकि श्री अरबिंदो कॉलेज क प्राचार्य प्रो अरुण चौधरी ने प्रथम वर्ष के छात्रों का वरिष्ठ छात्रों ने चंदन का तिलक लगाकर स्वागत किया और कहा कि अरबिंदो कॉलेज में हम आपका हृदय से स्वागत करते हैं।इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्रो. हंसराज सुमन सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि डीयू में प्रवेश प्राप्त करना देशभर के लाखों विद्यार्थियों का सपना होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय जीवन के प्रथम दिन प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मीयता, विश्वास और सहयोग का अनुभव कराना हमारा दायित्व है।

प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों ने दिल्ली विधानसभा का किया भ्रमण

नई दिल्ली। भारत का संवैधानिक लोकतंत्र उन संस्थाओं की मजबूती पर आधारित है, जो अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए एक-दूसरे का सम्मान करती हैं। विधायिका और न्यायपालिका की भूमिकाएं अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों का उद्देश्य न्याय, जवाबदेही और कानून के शासन को मजबूत करना है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को युवा जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली विधानसभा के ऐतिहासिक परिसर का भ्रमण करने आए 45 प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य, दिल्ली सरकार के विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग के प्रधान सचिव रीतेश सिंह तथा दिल्ली विधानसभा के सचिव डॉ. युमनाम अरुण कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली न्यायिक अकादमी के प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों,संकाय सदस्य एवं विधि छात्र भी शामिल थे जिन्होंने विट्ठलभाई पटेल तथा दिल्ली विधानसभा के इतिहास पर आधारित डॉक्यूमेंट्री के साथ साथ 'एक शताब्दी यात्रा' कॉफी टेबल बुक पर प्रस्तुति देखी और विधानसभा सदन का भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें विधायी प्रक्रिया, संवैधानिक परंपराओं और सदन की लोकतांत्रिक विरासत के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शक्तियों का विभाजन संस्थाओं को एक-दूसरे से अलग करने का सिद्धांत नहीं है, बल्कि यह ऐसा संवैधानिक ढांचा है जिसमें शासन का प्रत्येक अंग संयम, उत्तरदायित्व और अन्य संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करते हुए कार्य करता है।

एलजी ने द्वारका में किया आधुनिक डॉग शेल्टर का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को द्वारका सेक्टर-29 में नगर निगम (एमसीडी) द्वारा विकसित किए जाने वाले आधुनिक डॉग शेल्टर का शिलान्यास किया। इस अवसर पर दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही, दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक कुलदीप सिंह गहलोत सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। करीब 6,050 वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाला यह आधुनिक डॉग शेल्टर आवारा कुत्तों के लिए सुरक्षित आश्रय, उपचार, देखभाल और पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। वहीं, द्वारका के बाद उपराज्यपाल ने एरोसिटी का दौरा कर वहां चल रहे बुनियादी ढांचा विकास कार्यों की समीक्षा की। जीएमआर अधिकारियों ने उन्हें सतत शहरी नियोजन, जल संरक्षण, यातायात प्रबंधन तथा मेट्रो की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। उपराज्यपाल ने कहा कि पशुओं के कल्याण के लिए आधुनिक और मानवीय सुविधाओं का विकास समय की आवश्यकता है। शिलान्यास के बाद उपराज्यपाल ने दिल्ली के छोटे पशुओं के एकमात्र श्मशान केंद्र का भी निरीक्षण किया।

उपराज्यपाल ने एमसीडी अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशु कल्याण संगठनों, पशु चिकित्सकों, डॉग लवर्स और विषय विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि परियोजना को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और टिकाऊ बनाया जा सके। उपराज्यपाल संधू ने कहा कि यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल का उत्कृष्ट उदाहरण है। जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) सहयोग से इसका निर्माण एमसीडी पर किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के बिना किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने एरोसिटी की द्वारका से निकटता को देखते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' को दी मंजूरी

दिल्ली में महिलाओं को हर माह मिलेगा दो हजार पांच सौ रुपये का लाभ: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। रेखा गुप्ता ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली

सरकार ने महिलाओं से किया गया यह महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। उन्होंने दिल्ली की सभी महिलाओं को इस ऐतिहासिक निर्णय पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और सदैव जनहित एवं महिला हित में कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा, डॉ. पंकज सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने साझा किया सरकार का संकल्प

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ आयोजित प्रेस वार्ता में दिल्ली लक्ष्मी योजना की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार ने जो संकल्प लिया था, आज उसे पूरा कर दिया गया है। 'दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत सभी पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी।

कौन होंगी योजना की पात्र लाभार्थी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ 21 वर्ष से 60 वर्ष तक की पात्र महिलाओं को मिलेगा, जिनके परिवार की कुल वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार (ढाई लाख) रुपये तक है। योजना प्रारंभिक रूप से लागू होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए संचालित की जाएगी। उसके बाद इसमें संभावित परिवर्तन करके योजना को जारी रखा जाएगा।

हर महीने 2,500 रुपये प्राप्त करने के दो विकल्प

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने मिलने वाले 2,500 रुपये प्राप्त करने के लिए दो विकल्प होंगे। पहले विकल्प में 1,500 रुपये आरडी/एफडी के रूप में जमा किए जाएंगे, जबकि 1,000 रुपये सीबीडीसी डिजिटल रुपया वॉलेट में दिए जाएंगे। डिजिटल वॉलेट में मिलने वाली राशि का उपयोग सरकार द्वारा निर्धारित नेगेटिव लिस्ट के अनुसार केवल अनुमत वस्तुओं और सेवाओं पर ही किया जा सकेगा। दूसरे विकल्प में महिला चाहे तो पूरी 2,500 रुपये की राशि आरडी/एफडी के रूप में ही प्राप्त कर सकती है। इस विकल्प का उद्देश्य महिलाओं को पूंजी निवेश के लिए सहायक बनाना है।

1 एक अगस्त से शुरू होगा पोर्टल, रक्षाबंधन पर पहली किस्त देने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया 'दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन होगी। इस योजना के लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत 1 अगस्त से की जाएगी, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। सरकार का लक्ष्य है कि योजना की पहली किस्त रक्षाबंधन के अवसर पर पात्र लाभार्थी महिलाओं को उपलब्ध कराई जाए। आवेदनों की जांच, अंतिम स्वीकृति और शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के लिए जिला स्तर पर सुव्यवस्थित व्यवस्था बनाई गई है।

ये महिलाएं योजना के लिए पात्र नहीं होंगी

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ श्रेणियों की महिलाएं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। इनमें पहले से किसी अन्य आर्थिक सहायता योजना या पेंशन प्राप्तकर्ता महिलाएं, आयकर देने वाली महिलाएं, जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वाली महिलाएं, सरकारी कर्मचारी, तीन से अधिक जीवित बच्चों की माताएं, ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक बिजली खपत 2,400 यूनिट से अधिक है, ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य राज्य सरकार, भारत सरकार, सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) अथवा किसी सरकारी संगठन में कार्यरत हो या जिनके पास चार पहिया वाहन हो, तथा आपराधिक रिकॉर्ड रखने वाली महिलाएं शामिल हैं।

दिवाली से पहले आएगा लव एंड वॉर का फर्स्ट लुक

नई दिल्ली। संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर इस वक्त सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 21 जनवरी 2027, यानी रिपब्लिक डे वीकेंड पर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भंसाली के शानदार स्टोरीटेलिंग स्टाइल और भव्य विजुअल्स से सजी यह फिल्म दर्शकों को बड़े पर्दे पर एक शानदार और इमोशनल अनुभव देने वाली है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इसी बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। फिलहाल फर्स्ट लुक पर काम चल रहा है और उम्मीद है कि इसे दिवाली 2026 से पहले रिलीज कर दिया जाएगा।

लाइफ Style

निहारिका

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से बॉलीवुड डेब्यू करने को तैयार हैं। इस बीच उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया।

एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने मित्रा मंडली और इधयम मुरली में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं। निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन, एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे।

हॉलीवुड मसाला

स्पाइडर-मैन ... से किसिंग सीन हटे

मुंबई। फिल्म 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' 31 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। भारत में भी फिल्म रिलीज होगी। सेंसर बोर्ड ने तीन बदलावों के निर्देश के बाद भारत में 'स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे' की रिलीज को मंजूरी दे दी है। इन बदलावों के बावजूद फिल्म की पीटर पार्कर वाली डार्क कहानी और एक्शन सीन वैसे ही रहेंगे। बता दें कि 'स्पाइडर-मैन-ब्रांड न्यू डे' भारतीय सिनेमाघरों में इस गुरुवार को रिलीज होगी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसे यूए 13+ सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है।

एवेंजर्स डूम्सडे का ट्रेलर कल होगा रिलीज...

नई दिल्ली। एवेंजर्स डूम्सडे फिल्म का बजट 4500 करोड़ रुपए है। इसमें ऐसे 23 सुपरहीरो हैं जो दुनिया के सबसे खतरनाक विलेन से टकराने जा रहे हैं। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' का ट्रेलर विशेष रूप से 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' के साथ दिखाया जाएगा, जो 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ट्रेलर फिल्म के सभी भाषा संस्करणों के साथ दिखाया जाएगा, जिससे दर्शकों और इस भव्य सुपरहीरो फिल्म के प्रशंसकों को एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव मिलेगा। मार्वल स्टूडियो की 'एवेंजर्सः डूम्सडे' का निर्देशन एंथनी रूसो और जो रूसो ने किया है।फिल्म का निर्माण केविन फेग, लुई डी'एस्पोसिटो और जोनाथन श्वाट्र्ज ने किया है।फिल्म में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस इवांस, क्रिस हेम्सवर्थ, पेड्रो पास्कल, पॉल रुड, एंथनी मैकी, फ्लोरेंस प्यू, वनेसा किर्बी, एबन मॉस-बाकरैक आदि नजर आएंगे।

मॉम-2 में खुशी निभाएंगी लीड रोल...

मुंबई। महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम'2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

बंटवारा 1947 का ट्रेलर है दमदार

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म 'बंटवारा 1947' में सनी देओल लीड रोल में हैं। सोमवार को इस फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के ट्रेलर में 1947 के बंटवारे का समय दिखाया गया है। इसमें एक परिवार की कहानी है, जिसकी जिंदगी बंटवारे की हिंसा, डर और जबरन पलायन की वजह से बदल जाती है। जो लोग कभी साथ रहते थे, वो अब बंटवारे के कारण बिछड़ गए हैं। इसी बीच सनी ट्रेलर में एक ऐसे शख्स के किरदार में नजर आते हैं, जो किसी भी हाल में अपने जमीर से समझौता नहीं करता है। वहीं, शबाना आजमी एक बुजुर्ग महिला के रोल में हैं, जो इंसानियत पर सबका भरोसा बनाए रखती हैं। प्रीति जिंटा भी ट्रेलर में नजर आती हैं, वह बंटवारे के मुश्किल दौर का सामना मजबूती से करती नजर आती हैं।

टीवी मसाला

एल्विश-तेजस्वी व आरुष संभालेंगे प्लेग्राउंड सीजन-5 का कमान

नई दिल्ली। गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' अपने अब तक के सबसे बड़े और खास फॉर्मेट के साथ वापसी के लिए तैयार है, जिसमें तीन मेंटर्स का एक पैनल शामिल होगा। दो बार के चैंपियन एल्विश यादव 'केओ क्रैकेंस' की कमान संभालेंगे, जबकि तेजस्वी प्रकाश 'रेजिंग सेंटॉर्स' की मेंटर के तौर पर डेब्यू करेंगी। उनके साथ आरुष भोला भी होंगे, जो 'पावर फीनिक्स' की जिम्मेदारी संभालेंगे। छह हफ्ते तक चलने वाले इस सीजन 5 में तीन टीमें जबर्दस्त मुकाबला करेंगी, ताकि आखिर में सिर्फ एक 'मास्टरमाइंड' विजेता बन सके। शो 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का ट्रेलर सोमवार का जारी हो चुका है। 'प्लेग्राउंड सीजन 5' का प्रीमियर 1 अगस्त को होगा। यह प्राइम वीडियो की तरफ से एमएक्स प्लेयर पर खास तौर से मुफ्त में स्ट्रीम किया जाएगा । ट्रेलर की शुरुआत में सभी मेंटॉर अपनी-अपनी दुनिया में खोए हुए दिखते हैं। तभी अचानक उनके आस-पास की असलियत में गड़बड़ी होने लगती है। एक-एक करके उन्हें एहसास होता है कि उन्हें मेंटॉर के तौर पर लॉक कर दिया गया है। सीधे असल जिंदगी वाले गेमिंग की दुनिया में खींच लिया गया है, जहां उन्हें एक-दूसरे का मुकाबला करना है। इस कॉम्पिटिशन में धीरे-धीरे ढलने का कोई समय नहीं है। मेंटॉर को हालात के हिसाब से खुद को ढालना होगा। अपग्रेड करना होगा और अपना दबदबा बनाना होगा, क्योंकि इस गेम में सब कुछ एक पल में खत्म हो सकता है।

मैं अपने घर की डोर मैट थी : शिल्पा

नई दिल्ली। शिल्पा शिंदे ने 'लॉकअप 2' हालिया एपिसोड में दूसरे प्रतियोगियों के सामने अपने बिगड़ चुके पारिवारिक रिश्तों का जिक्र किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनकी कंधे की सर्जरी हुई तो उन्हें उनके ही घर से निकाल दिया गया था। शिल्पा शिंदे 'लॉकअप 2' में कहती हैं, 'हर्षद चोपड़ा आपको मैंने पहले चेताया था कि लोग आपका इस्तेमाल करते हैं। डोर मैट की तरह इस्तेमाल करते हैं। मैं भी अपने घर की डोर मैट थी। कुछ साल पहले मेरे कंधे की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के पांच दिन बाद मुझे मेरे ही घर से निकाल दिया गया था। आपको लगेगा कि क्या मेरे परिवार वाले इतने बुरे हैं। तो देखिए, मेरे लिए ऐसी सिचुएशन बना दी गई थी। उन्हें पता था कि मैं सेल्फ रेस्पेक्ट वाली लड़की हूं। इसलिए मैं अपना घर छोड़ दिया। दरअसल, मेरा भाई अपनी वाइफ के इंफ्लुएंस में आ गया था और मेरी मां भाई की बातों को मानती थीं।' कुछ हफ्ते पहले योगेश रावत शो से बाहर हुए थे। अब सूफी मोतीवाला और धीरज कपूर भी शो से बाहर हो चुके हैं।

सावन की दस्तक से पहले 'मैं दीवानी महाकाल की' गाना रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अदाकारा अक्षरा सिंह अपनी गायिकी के लिए भी मशहूर हैं। सावन की दस्तक से पहले उन्होंने महादेव को समर्पित भक्ति सॉन्ग रिलीज किया है। भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन अक्षरा सिंह अब बॉलीवुड में पहचान बना चुकी हैं। उन्हें अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' के एक गाने में देखा गया था। इसके अलावा उन्हें श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में देखा जाएगा। इस बीच अक्षरा अपने नए गाने को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। सावन का महीना शुरू होने वाला है। कोई भी त्योहार हो, भोजपुरी इंडस्ट्री में नए गानों की खूब बहार आती है। खेसारी लाल यादव से लेकर अक्षरा सिंह, पवन सिंह तक कई सितारे सावन के महीने में नए गाने लेकर आते हैं। अक्षरा सिंह ने यह सिलसिला शुरू कर दिया। उनका गाना 'मैं दीवानी महाकाल' की सोमवार को रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह अदाकारी के साथ-साथ सिंगिंग में भी माहिर हैं। अब उन्होंने अपने फैंस को नए गाने का तोहफा दिया है। यह भक्ति सॉन्ग अक्षरा सिंह के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। अक्षरा सिंह गाने में महादेव की भक्ति के रंग में रंगी दिख रही हैं। आर्मी प्रिंट आउटफिट में वे बुलेट पर सवार होकर जा रही हैं। रुद्राक्ष की माला धारण कर वे यह गाना गुनगुना रही हैं। इसके बाद शिवलिंग के आगे बैठकर पूजा करती हैं और फिर कुछ साधु-संतों से मिलकर आशीर्वाद लेती हैं। बता दें कि अक्षरा सिंह महादेव की भक्त हैं। अक्सर वे काशी विश्वनाथ दर्शन करने जाती हैं। इस गाने की रिलीज से पहले अभिनेत्री अपनी मां के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने पहुंची थीं। अक्षरा के गाने पर फैंस की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स ने लिखा है, 'हम बहुत दिनों से आपके गाने का इंतजार कर रहे थे'।

अजीब हिंदी फिल्मों में गिनी जाती है नीचा नगर, बनाया था ऐसा रिकॉर्ड जो आज तक कोई नहीं तोड़ पाया

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा की ऑडियंस आज ज्यादा से ज्यादा ऑथेन्टिक और ऑरिजनल फिल्मों की डिमांड कर रही है। हालांकि, बीच में एक लंबे वक्त तक सिर्फ एक ही नपे-तुले ढर्रे पर बनाई गई फिल्मों को ही लोगों ने प्यार दिया है। हालांकि, बात अगर 70-80 के दशक की करें तो उन दिनों बॉलीवुड डायरेक्टर्स ज्यादा से ज्यादा क्रिएटिव होने की कोशिश कर रहे थे। आज हम आपको ऐसी ही एक बहुत यूनिक फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं। आज अगर इस तरह की फिल्म बनाई जाए, तो ज्यादा संभावना इस बात की है, कि यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट जाएगी, लेकिन उन दिनों इस फिल्म ने कामयाबी के झंडे गाढ़ दिए थे। बल्कि, सच तो यह है कि अगर आपने गलती से कभी इस फिल्म की क्लिप्स रील्स

में देखी होंगी तो शायद कोई क्रिंज पिक्चर समझकर आगे बढ़ गए होंगे। ज्यादातर लोग अभी भी इसे बहुत अजीब फिल्म समझते हैं, वजह है इसका बहुत अलग होना।

1946 में कर दिया ऐसा कमाल

जितनी दिलचस्प इस फिल्म की कहानी है, उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है इसे बनाने वाले डायरेक्टर की कहानी। इस फिल्म के डायरेक्टर चेतन आनंद थे, जिन्हें आज भी ज्यादातर लोग देव आनंद का भाई समझते हैं। हालांकि, उनकी अपनी अलग पहचान थी और कम लोग जानते हैं कि चेतन भारतीय सिनेमा की पहचान माने जाने वाले सत्यजीत रे की प्रेरणा थे। दरअसल, चेतन ने साल 1946 में अपनी फिल्म 'नीचा नगर' के जरिए वो करिश्मा कर दिखाया था, जो आज भी कोई दूसरी हिंदी फिल्म नहीं कर पाई है। चेतन की इस फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में ग्रांड प्राइज जीता था।

फिल्म जिसमें हर कोई कविता में करता है बात

उनकी इसी उपलब्धि के बाद सत्यजीत रे ने उन्हें लेटर लिखा कि आपकी वजह से मुझे फिल्म बनाने की हिम्मत मिली है। इतनी बड़ी कामयाबी के बाद चेतन आनंद ने एक और मील का पत्थर रखने का फैसला किया था। उन्होंने 1970 में तय किया कि वह एक ऐसी फिल्म बनाएंगे, जिसका हर डायलॉग किसी कविता की तरह होगा। इस फिल्म में कोई हल्की-फुल्की स्टार कास्ट नहीं थी। राज कुमार, पृथ्वीराज कपूर और प्राण जैसे कमाल के एक्टर्स को कास्ट करके उन्होंने एक ऐसी फिल्म बना डाली, जिसमें हर कोई कविताओं में बात करता नजर आता है।

हॉलीवुड स्टार्स के बाद किया था लक्स का ऐड

16 साल में हुई शादी, बनीं हिंदी सिनेमा की पहली ग्रेजुएट एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड ने कई अभिनेत्रियों ने अपने अभिनय और अपनी कलाकारी से अपना बड़ा नाम बनाया है। लेकिन, आज हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो अपने समय में एक मिसाल थी और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए नए रास्ते बनाए। उन्हें हिंदी फिल्म जगत की पहले ग्रेजुएट एक्ट्रेस कहा जाता है। उन्होंने उस पॉपुलर ब्यूटी सोप का ऐड किया, जो उनसे पहले केवल हॉलीवुड की सुंदरियां ही करती थीं। प्रोफेशनल फ्रंट पर सफलता के बावजूद उनका निजी जीवन काफी संघर्षों से भरा रहा।

कौन हैं वो एक्ट्रेस?

हम बात कर रहे हैं बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री लीला चिटनिस की। लीला चिटनिस ने बॉलीवुड में 1930 से 1980 के दशक तक काम किया। उनका जन्म 1909 में हुआ था। ये उन चुनिंदा महिला अभिनेताओं में से थीं जो ग्रेजुएट (आट्र्स में बैचलर) थीं। वह पहली फीमेल एक्टर थीं, जो ग्रेजुएट थी। उनके पिता इंग्लिश लिटरेचर के प्रोफेसर थे। उन्होंने लीला की शादी 16 साल की उम्र में ही तय कर दी थी।

शादीशुदा जिंदगी

लीला चिटनिस ने गजानन यशवंत चिटनिस से शादी की, जो एक डॉक्टर थे और उसी ब्रह्म समाज समुदाय से थे, जिससे उनका परिवार जुड़ा था। शादी के बाद उनके चार बेटे हुए। उनकी राजनीतिक सोच भी एक जैसी थी। उन्होंने एक बार मशहूर मार्क्सवादी स्वतंत्रता सेनानी एम.एन. रॉय को अपने घर में पनाह दी थी और ब्रिटिश राज के खिलाफ भारत की आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया था।

शराब पीने वाले पति से हो गईं अलग

हालांकि, शादी सफल न हो पाने के कारण आखिरकार वह अपने शराब पीने वाले पति से अलग हो गईं। वापस लौटने पर, उन्हें अकेले ही अपने चार छोटे बेटों की परवरिश करने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा। उस समय ग्रेजुएट होने वाली चुनिंदा महिलाओं में से एक होने के नाते, उन्होंने एक स्कूल में पढ़ाना शुरू किया। हालांकि, प्रोग्रेसिव मराठी ग्रुप 'नाट्यमन्वंतर' के साथ थिएटर की ट्रेनिंग लेने के कारण, उन्हें एक्टिंग में ही अपना असली मकसद मिला।

फिल्मों में शुरुआती संघर्ष

हिंदी सिनेमा में लीला चिटनिस का सफर आसान नहीं था। 'जेंटलमैन डाकू' (1937) में ब्रेक मिलने से पहले उन्होंने कई फिल्मों में एक्स्ट्रा (सहायक कलाकार) के तौर पर काम किया। इस फिल्म में उन्होंने पुरुष के वेश में एक्शन सीन भी किए थे। 1939 में 'कंगन' की बॉक्स ऑफिस सफलता के साथ ही उन्होंने आखिरकार एक लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी जगह बनाई। फिल्म में उन्होंने एक हिंदू पुजारी की बेटी का किरदार निभाया, जो अपने पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर एक स्थानीय जमींदार के बेटे से प्यार करने लगती है।

कंगन को मिली जबरदस्त कामयाबी

बॉम्बे टॉकीज, वह मशहूर प्रोडक्शन हाउस जिसने इस फिल्म को सपोर्ट किया था, समाज की स्थापित मान्यताओं को चुनौती देने वाली फिल्में चुनने की वजह से मुश्किल दौर से गुजर रहा था। 'कंगन' फिल्म की जबरदस्त कामयाबी के बाद, लीला ने उस दौर की मशहूर अभिनेत्री देविका रानी की जगह ले ली। लीला चिटनिस ने बॉम्बे टॉकीज के एक और बड़े कलाकार अशोक कुमार के साथ कई यादगार फिल्मों में काम किया, जिनमें एन.आर. आचार्य की बंधन और आजाद (1940) और ज्ञान मुखर्जी की झूला (1941) शामिल है।

खबर संक्षेप

अयोध्या डीएम ने की सीएम योगी से मुलाकात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को उनके सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर अयोध्या के जिलाधिकारी आईएएस शशांक त्रिपाठी ने शिष्टाचार मुलाकात की।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला चर्चा में है और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित नई एसआईटी इसकी जांच कर रही है।

बिहार के सभी स्कूलों में शनिवार को हाफ-डे

पटना। बिहार के सभी स्कूलों में अब सेटरडे को हाफ-डे रहेगा। स्कूलों में शनिवार को पूरे दिन पढ़ाई नहीं होगी, बल्कि आधा दिन ही विद्यालय चलेंगे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लोगों के द्वारा यह मांग की जा रही थी। बिहार विधान मंडल के मॉनसून सत्र में भी यह मुद्दा उठा। उसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उन्होंने इस ओर कदम उठाने के निर्देश दे दिए हैं।

धनबाद में 25 जगहों पर एक साथ ईडी का छापा

धनबाद। प्रवर्तन निदेशालय ने धनबाद में कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। ईडी की अलग-अलग टीमों ने एक साथ जिले भर में एक दर्जन कोयला धंधेबाजों और आउटसोर्सिंग संचालक के करीबियों के 25 से अधिक ठिकानों पर दस्तक दी।

अचानक हुई इस छापेमारी से पूरे कोयलांचल के माफियाओं और सफेदपोशों में हड़कंप मच गया।

गलगोटियास विवि ने उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने के लिए जापानी प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नोएडा

गलगोटियास विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जापान के सरकारी अधिकारियों, प्रमुख उद्यमियों और अकादमिक विशेषज्ञों के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस अवसर पर भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। बैठक में ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा, संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज और विश्वविद्यालय-इंडस्ट्री पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने पर भी विचार किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को क्लीन एनर्जी, सस्टेनेबल मोबिलिटी और नेक्स्ट-जेनरेशन मैन्युफैक्चरिंग जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में काम करने के नए अवसर उपलब्ध कराना है। यह संवाद नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत, शोधकर्ताओं और युवा प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने में विश्वविद्यालयों की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

इस अवसर पर गलगोटियास विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा, "अपने कैंपस में इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी करना हमारे लिए गर्व का विषय है। यह उच्च शिक्षा, उद्योग और इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक प्रमुख केंद्र के रूप में ग्रेटर नोएडा के बढ़ते महत्व को भी दर्शाता है।

ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक समन्वय समिति व विकास कार्यों की समीक्षा की

कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा, पेयजल,एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

ऊर्जा मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री एके शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर बरसात, श्रावण मास में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ /भदोही

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री एके शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ प्रशासनिक समन्वय समिति की समीक्षा बैठक कर बरसात, श्रावण मास में प्रस्तावित कांवड़ यात्रा तथा विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

मंत्री शर्मा ने लोक निर्माण विभाग को वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने तथा जल निगम को पाइपलाइन कार्यों के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर निकायों को जलभराव

रोकने, नालों-नालियों की नियमित सफाई तथा संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक स्वच्छता अभियान, फॉगिंग एवं एंटी-लार्वा छिड़काव प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री शर्मा ने कांवड़ मार्गों पर स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

हरियाणा कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले, 26 में से 22 एजेंडे पास

ईवी पर 100% कर छूट, महिलाओं को खरीद पर 1% अतिरिक्त लाभ

लाल डोरा कब्जाधारियों को मालिकाना हक मिलेगा

पुलिस हिरासत में मौत पर 7.5 लाख मुआवजा

पटवारियों की ट्रेनिंग अवधि 1.5 साल से घटा 1 साल

30 लाख से अधिक के ईवी वाहन पर 50% कर छूट मिलेगी

सीएनजी वाहन पर पंजीकरण पर 20% छूट जारी रहेगी

पूर्व अग्निवीरों को 20% हॉरिजॉन्टल आरक्षण को मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में कैबिनेट की बैठक हुई। करीब साढ़े तीन घंटे चली इस मीटिंग में 26 एजेंडों पर चर्चा हुई। इनमें से 22 को मंजूरी दे दी गई। मीटिंग के बाद सीएम सैनी ने मीडिया को कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी। सीएम ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पैरा एथलीट शर्मीला धनखड़ को बधाई दी। उन्होंने बताया कि अग्निवीरों को सीधी भर्ती आरक्षण का लाभ मिलेगा।

700 वीटा बूथ खुलेंगे, सेक्टर वाइज इन बड़े फैसलों पर मुहर

ई-वाहन

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी): 30 लाख रुपये तक की कीमत वाले टू, थ्री और फोर व्हीलर के पंजीकरण पर मोटर वाहन कर में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

महिला खरीदारों को अतिरिक्त लाभ: महिलाओं के नाम पर पंजीकृत 20 लाख रुपये तक के नॉन-ट्रांसपोर्ट वाहनों की एक्स-शोरूम कीमत पर 1% अतिरिक्त कर छूट मिलेगी।

सीएनजी वाहन: सीएनजी वाहनों के पंजीकरण पर मोटर वाहन कर में मिलने वाली 20 प्रतिशत की मौजूदा छूट पहले की तरह जारी रहेगी।

अग्निवीर

इंडियन रिजर्व बटालियन, एसडीआरएफ, फायरमैन और वाइल्डलाइफ गार्ड के पदों पर हरियाणा निवासी पूर्व अग्निवीरों को 20 प्रतिशत हॉरिजॉन्टल आरक्षण दिया जाएगा। इससे पूर्व सरकार ग्रुप- बी में 1%, ग्रुप-सी में 5%, पुलिस कॉन्स्टेबल में 20% और फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डर व माइनिंग गार्ड में 20% आरक्षण की व्यवस्था कर चुकी है।

लाल डोरा

आबादी देह (लाल डोरा) क्षेत्र: ग्रामीण लाल डोरा क्षेत्रों में ग्रामीणों को उनके मकानों का कानूनी मालिकाना हक दिया जाएगा।

पीएमएवाई-यू 2.0: प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लाभार्थियों के लिए 60 वर्गमीटर तक की आवासीय इकाइयों पर स्टांप ड्यूटी एवं पंजीकरण शुल्क में विशेष छूट दी गई है।

प्रॉपर्टी टैक्स

चार श्रेणियों में विभाजन: नगर निगमों, परिषदों और नगर पालिकाओं में संपत्ति कर निर्धारण के लिए नई प्रणाली लागू होगी।

पटवारियों की ट्रेनिंग घटी

नियमों में संशोधन: 'हरियाणा राजस्व पटवारी सेवा नियम, 2011' में संशोधन को 1 जनवरी 2025 से लागू माना जाएगा।

ट्रेनिंग अवधि: अनिवार्य प्रशिक्षण 1.5 वर्ष से घटाकर 1 वर्ष (6 माह संस्थागत + 6 माह फील्ड ट्रेनिंग) कर दी गई है।

वेतन लाभ: अब पटवारियों को ट्रेनिंग के दौरान मामूली स्टाइपेंड की जगह पूरा नियमित वेतन मिलेगा।

प्रोग्रेसिव एमएसएमईएवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026

55,000 करोड़ का निवेश: अगले 5 वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में 55,000 करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित करने और 5 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है।

बांकीपुर में चुनाव प्रचार का शोर थमा

एनडीए ने पूरी ताकत झोंकी पीके व उतेजस्वी का रोड शो

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रचार का शोर मंगलवार शाम को थम गया।भाजपा के प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के समर्थन में एनडीए नेताओं ने आखिरी दिन पूरी ताकत झोंक दी। वहीं, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने भी पूरा दमखम दिखाया। इसके अलावा, राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी रेखा गुप्ता के लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रोड शो कर वोट मांगे। पटना की बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के लिए 30 जुलाई गुरुवार को मतदान होगा, 3 अगस्त को मतगणना के बाद रिजल्ट जारी किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली हुई बांकीपुर सीट पर पार्टी ने नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है।

आरजेडी कार्यकर्ताओं में जोरदार उत्साह देखने को मिला

वहीं, आरजेडी की प्रत्याशी रेखा गुप्ता के समर्थन में तेजस्वी यादव ने मंगलवार को प्रचार अभियान का जिम्मा संभाले रखा। तेजस्वी ने बांकीपुर में रोड शो कर रेखा के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने बिहार और केंद्र की एनडीए सरकार पर भी निशाना साधा। तेजस्वी यादव के रोड शो से बांकीपुर में आरजेडी कार्यकर्ताओं में जोरदार उत्साह देखने को मिला। तेजस्वी ने कहा कि बीते 35 सालों से त्रस्त बांकीपुर की जनता इस बार बदलाव का मन बना लिया है।

पेज एक का शेष

'मोदी जी क्लॉक्ड...

सरकार बदलते ही क्यों बदल जाते सिद्धांत?: उन्होंने कहा कि यह किसी प्रकार की कोई टीका, टिप्पणी नहीं है। मैं विपक्ष के केवल चुनिंदा मामलों पर ही सवाल उठाने के रवैये पर सवालिया निशान लगा रही हूं। साथ ही मैं विपक्ष से यह भी पूछना चाहती हूं कि अगर यह सिद्धांतों की लड़ाई है, तो सरकार बदलते ही सिद्धांत क्यों बदल जाते हैं? पूर्व शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बीच कांग्रेस पार्टी को यह बताना चाहिए कि उन्होंने पंजाब के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं की?

कानून पहले भी विफल था, आज भी होगा : वहीं, विपक्ष से लोकसभा में कांग्रेस के उप-नेता गौरव गोगोई ने संशोधन विधेयक पर चर्चा की शुरुआत की। जिसमें सबसे पहले उन्होंने असम में आई भीषण बाढ़ में मारे गए 70 लोगों का जिक्र करते हुए केंद्र से राज्य के लिए विशेष पैकेज देने की मांग की है। फिर बिल पर को लेकर सरकार पर आक्रामक अंदाज में निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार शिक्षा विभाग को लेकर गंभीर नहीं है। यह एक संशोधन बिल है। जिसे यही सरकार दो साल पहले लेकर आई थी। उस समय भी यह दावा किया गया था कि अब देश में पेपरलीक की कोई घटना नहीं होगी। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि उक्त कानून पहले भी विफल था, आज भी विफल ही साबित होगा। उन्होंने कहा कि अगर पुराना कानून फुलप्रूफ था तो पेपरलीक क्यों हुआ? उस समय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ही थे। जो करीब ढाई माह तक यह कहते रहे कि कोई लीक नहीं हुआ है। कल उनका माला पहनाकर ऐसे स्वागत किया गया। जैसे वो कोई जंग लड़कर आए हों।

एनटीए में हुई बर्खास्तगी पर उठाए सवाल : उन्होंने कहा कि पेपरलीक को लेकर 45 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई। जिसमें से लीक के मुखिया संजीव सहित 40 लोगों को जमानत मिल गई है। इसलिए मैं कहता हूं कि ये कानून पहले भी विफल था और आज भी विफल ही साबित होगा। यह सरकार की असफलता का स्मारक बनेगा। पेपरलीक के बाद पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में शामिल सभी मंत्रियों को इंस्टाग्राम पर रील बनाने का निर्देश दिया। एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया गया है। पहले भी समिति बनी थी। उसका क्या हुआ? एनटीए ने अपने महानिदेशक समेत कुल 47 कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एजेंसी की कुल स्वीकृत स्ट्रेंथ 34 की है तो निकाले गए लोग कौन हैं? क्या यह सभी आउटसोर्स किए गए लोग हैं? एनटीए के अध्यक्ष को सरकार क्यों बचा रही है? क्या इसके पीछे उनका किसी विशेष संगठन (संघ) से जुड़ा हुआ होना कारण है। गौरव ने कहा, इस बिल के जरिए सरकार की मंशा आने वाली युवा पीढ़ी को भाजपा का मतदाता बनाने पर केंद्रित है। शिक्षा सुधार का इससे कोई लेना देना नहीं है।

सवाल पूछना मौलिक अधिकार : कांग्रेस के उप-नेता ने कहा कि जिस निडरता के साथ युवाओं ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया है। उससे साफ हो गया है कि लोकतंत्र में सवाल पूछना हमारा मौलिक अधिकार है। जनता ही लोकतंत्र में राजा होती है। उन्होंने कहा कि किसके आदेश पर प्रदर्शन में बच्चों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। गृह मंत्री सदन में इसका जवाब दें। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप इसे लेकर अलग से नोटिस दीजिए।

पीएम कैमरे का ...

बच्चों पर लाठियां और पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? देश यह पूछ रहा है कि गृह मंत्री या प्रधानमंत्री में से किसने 20 जुलाई को छात्रों पर लाठियों और पेलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। क्या छात्रों के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है? सदन सांसदों की जागीर नहीं है। जेनजी का भरोसा जीतने के लिए नए-नए एंगल के वीडियो बनाने से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री को कैमरे का नहीं, दिल का एंगल बदलना पड़ेगा और जिम्मेदारी लेनी होगी। आपके शासन में चुनाव में वोट, मंदिर के चढ़ावे और किसानों की जमीन की चोरी हुई। लेकिन सबसे बड़ी चोरी तब हुई जब नौजवानों के सपने चुराए गए। लाठी बच्चों की पीठ पर नहीं, सरकार की साख पर पड़ी है। प्रधानमंत्री ने ऐसा शिक्षा मंत्री चुना है जिन्होंने एक गर्भवती महिला के साथ बलात्कार के दोषियों की रिहाई पर खुशी जताई थी।

जितेंद्र सिंह बोले- ...

पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। वहीं, कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि 2009 के रेलवे भर्ती परीक्षा पेपर लीक से लेकर 2012 के एम्स प्रवेश परीक्षा पेपर लीक तक कई बड़े मामले कांग्रेस सरकार के समय सामने आए। उन्होंने कहा कि इन्हीं घटनाओं से सबक लेते हुए सरकार ने एक लीकप्रूफ परीक्षा प्रणाली तैयार करने का फैसला किया। जितेंद्र सिंह ने बताया कि 1992 में कांग्रेस सरकार के दौरान एक समिति ने केंद्रीय परीक्षा समिति बनाने की सिफारिश की थी। इसके बाद 2010 में भी एक समिति ने यही सुझाव दिया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए सरकारों ने इन सिफारिशों को लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन किया और 2024 में पहली बार इस विषय पर व्यापक कानून बनाया, जिसे जून 2024 में लागू किया गया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि इस संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था है। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी। इसके बाद ट्रायल कोर्ट में तीन महीने के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुनाया जाएगा। यानी घटना होने से लेकर फैसले तक अधिकतम पांच महीने का समय लगेगा। उन्होंने बताया कि यदि कोई पक्ष फैसले के खिलाफ अपील करना चाहता है तो उसे 30 दिनों के भीतर अपील करनी होगी। साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि ऐसे मामलों की सुनवाई हाईकोर्ट में डबल बेंच से नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसके अलावा राधाकृष्णन समिति की कुल 46 सिफारिशों में से 35 सिफारिशें सरकार पहले ही लागू कर चुकी है।

सार्थक विचारों से ...

तरह से तैयार है।

नियम-प्रक्रियाओं से नहीं भटकेंगे : लोकसभा अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों से यह अपील भी की है कि वह सदन में चर्चा के दौरान सार्थक विचार रखते हुए अपने अनुभव साझा करें। क्योंकि इसी से हम परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता के साथ-साथ विश्वसनीयता को स्थापित कर पाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सदन में चर्चा को नियम-प्रक्रियाओं के तहत ही आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए राजी हुए हैं। संशोधन विधेयक का उद्देश्य देश में प्रवेश परीक्षाओं की निष्पक्षता को सुदृढ़ बनाए रखना है। ताकि परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को बरकरार रखा जा सके।

पीएम, एचएम की अनुपस्थिति से खफा विपक्ष : वहीं, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने इस महत्वपूर्ण मामले पर चर्चा की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की लोकसभा में गैर मौजूदगी को लेकर आपत्ति जताई और कहा कि इसे लेकर सरकार विपक्ष को एक स्पष्टीकरण दे। उनके इस बयान पर नाराजगी जताते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राज्य मंत्री सदन में मौजूद हैं। मामले पर 6 घंटे तक चर्चा करने के लिए समय तय किया गया है। अगर विरोधी दल इसे और बढ़ाना चाहते हैं। तो उस पर संसदीय कार्यमंत्री से चर्चा की जा सकती है।

पेपरलीक होते रहे, बिल तो हम लाए : संशोधन विधेयक पर चर्चा का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में पेश किया। उन्होंने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में खासतौर पर विपक्ष (कांग्रेस) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पहला ऐसा मौका नहीं है। जब देश में किसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा को लेकर पेपरलीक का मामला सामने आया है। पहले भी ऐसा कई बार हुआ है और उसमें कोई एक राज्य नहीं बल्कि कई राज्य शामिल रहे हैं। लेकिन यहां ध्यान देने वाली एक बात यह है कि बीते काफी वक्त से जारी पेपरलीक के बीच मौजूदा मोदी सरकार को ही यह अहसास हुआ कि इसे रोकने के लिए समूची परीक्षा प्रक्रिया में सुधार करने की आवश्यकता है। जिसे देखते हुए ही सरकार इस संशोधन को लेकर आई है। ऐसे में यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा कि इस विधेयक को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार बधाई की पात्र है। जिसने वह काम कर दिखाया। जिसे विपक्ष भी (कांग्रेस) करके नहीं दिखा सका। यह विधेयक लाना सरकार की एक ईमानदार कोशिश है। अगर किसी को इससे आपत्ति होगी तो जनता को उससे आपत्ति होगी।

राधाकृष्णन समिति की मानी सिफारिशें: केंद्रीय मंत्री ने विधेयक में किए गए जरूरी संशोधनों के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2009 से लेकर आगामी वर्षों में कई प्रवेश परीक्षाएं हुई हैं। जिनमें रेलवे भर्ती बोर्ड, ऑल इंडिया इंजीनियरिंग परीक्षा, बीएड, पश्चिम-बंगाल में हुई संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य हैं। प्रवेश परीक्षाओं को लेकर चार भर्ती बोर्ड बनाए गए हैं। जिनमें यूपीएससी, एसएससी, रेलवे बोर्ड और बैंकिंग पर्सनल के लिए बनाए गए बोर्ड अहम हैं। एनटीए की स्थापना 2017 में हुई थी। विधेयक के हिसाब से देश में फास्ट ट्रैक कोर्ट बनेंगे, जो 5 महीने में फैसला सुनाएंगे। संबंधित अपील उच्च न्यायालय की डबल बेंच के समक्ष की जा सकेगी। जो 30 दिन में पूरी हो जाएगी। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बिहार में फास्ट ट्रैक अदालतें बन चुकी हैं। पीएम ने भी उच्चस्तरीय टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की है। लेकिन पूर्व में हुए पेपरलीक के बाद सरकार ने डॉ.राधाकृष्णन समिति द्वारा की गई 46 में से 35 यानी 75% सिफारिशों को स्वीकार कर उन्हें क्रियान्वित भी कर दिया है। बाद में विपक्षी सांसद एन.के.प्रेमचंद्रन ने कहा कि इस विधेयक को आम जनता के विचार-विमर्श के लिए रखा जाना चाहिए।

यूं स्थगित हुई सदन की कार्यवाही : सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही की शुरुआत के कुछ ही मिनटों के अंदर विरोधी दलों के हंगामे के चलते लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विपक्ष द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्यवाही को लेकर सरकार से जवाब देने की मांग की जा रही थी। इस दौरान बिरला ने अपील की कि पेपरलीक से जुड़े बिल पर 2 बजे चर्चा कराई जाएगी। इसलिए विपक्षी दल प्रश्नकाल चलने दें। जिसका विपक्ष पर कोई असर नहीं हुआ और फिर लोकसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

इस तरह की खबरें मुद्दे ...

मीडिया में आई उन खबरों को निराधार और काल्पनिक करार दिया। भाजपा ने कहा कि सीजेपी को धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय बदलने का सरकार की ओर से कोई शुरुआती प्रस्ताव नहीं दिया गया था। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा सांसद और पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि इस तरह की खबरें मुद्दे को सनसनीखेज बनाने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई हैं। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाली सीजेपी के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान सरकार ने पहले धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रालय बदलने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन दूसरी ओर से इसे स्वीकार नहीं किया गया।

राष्ट्रपति पद सम्मान ...

कर्तव्यनिष्ठा और सकारात्मक सोच पर निर्भर करता है। महिलाओं का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने और आत्मविश्वास के साथ प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण विकसित भारत की आधारशिला है और समाज के प्रत्येक क्षेत्र में उनकी समान भागीदारी आवश्यक है। आदिवासी समुदायों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित रखें, साथ ही विकास की मुख्यधारा से भी जुड़ें। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाकर ही समावेशी भारत का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के चार वर्षों के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा आम नागरिकों की भावनाओं को महत्व दिया और शासन व्यवस्था में समावेशी भागीदारी को बढ़ावा दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने विनम्र स्वभाव, सादगी, संवैधानिक मर्यादाओं के प्रति प्रतिबद्धता, दूरदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा से राष्ट्रपति पद की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में राष्ट्रपति ने संविधान की भावना और उसके अक्षरशः पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस सर्वोच्च संवैधानिक पद को नई प्रतिष्ठा प्रदान की है। समारोह में राष्ट्रपति के कार्यकाल की प्रमुख पहलों, उनके विचारों और विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिए गए संदेशों को समर्पित पांच स्मारक पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी से ...

और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता केवल विचार नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प है। आज उनके साथ हुई मुलाकात में इस भावना को उन्होंने निकट से अनुभव किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन का अक्षरशः पालन करते हुए भाजपा हरियाणा प्रदेश को संगठनात्मक रूप से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और महिलाओं की भागीदारी को और अधिक मजबूत करेगी। गुप्ता ने कहा कि हरियाणा भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। सेवा, संगठन और राष्ट्र प्रथम की भावना को लेकर भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन-जन तक मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन हरियाणा भाजपा के लिए नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नए संकल्प का आधार बनेगा।

कई दिनों से ...

के कारण मानसून सत्र के कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हुए हैं। अब सभी की निगाहें बुधवार की कार्यवाही पर टिकी हैं। यदि सरकार और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बनती है, तो मानसून सत्र का गतिरोध और लंबा खिंच सकता है, जिससे कई महत्वपूर्ण विधेयकों और अन्य संसदीय कार्यों पर असर पड़ने की संभावना है। विदित हो कि तय नियमों के हिसाब से राज्यसभा में मंगलवार को वंदे मातरम विधेयक पर चर्चा किया जाना था।

बांकीपुर उपचुनावः...

नितिन नवीन के लिए प्रतिष्ठा का सवाल: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांकीपुर में बड़ा रोड शो कर क्षेत्र में अपने धमक का अहसास कराया। वे जीत को लेकर आशान्वित हैं। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य के कई मंत्री व सासंद यहां डेरा डाले रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नवीन के लिए यह सीट पार्टी की झोली में बनाये रखना बेहद जरूरी है। भाजपा आलाकमान को पता है कि किसी भी सूरत में वे यह सीट गवां नहीं सकते। भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से अनेक वादे किये हैं। भाजपा का दावा है कि युवा, किसान, मजदूर, महिलाएं और विकास चाहने वाले लोग पार्टी के पक्ष में वोट करेंगे। नवीन ने लोगों से उनके द्वारा कराये गए विकास कार्यों की याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा ही क्षेत्र का भला कर सकती है।

क्या प्रशांत पहुंच पायेंगे विधानसभा ? : जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत का पूरा फोकस मतदाताओं को विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मसलों पर खुद से जोड़ने पर है। उन्होंने प्रचार के दौरान साफ तौर पर कहा कि अगर लोगों को लगता है कि कोई दूसरा उम्मीदवार मुझसे बेहतर है तो निसंकोच उसको वोट दें और लगता है कि मैं औरों के मुकाबले बेहतर हूं तो मुझे वोट दें। प्रशांत ने अपने भाषणों में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधे रखा। वे बांकीपुर में मूलभूत सुविधाओं के घोर अभाव के साथ साथ भाजपा पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। जन सुराज को उम्मीद है कि हाल ही में नीट पेपर लीक आंदोलन के बाद हो रहे इस उपचुनाव में युवा उनको एकतरफा वोट करेगा। प्रशांत किशोर का 'बिहार में रोजगार' और 'भविष्य में बदलाव' का नैरेटिव इन युवा मतदाताओं के साथ-साथ भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में पर असर छोड़ता है तो इस उपचुनाव का नतीजा चौंका भी सकता है।

एनडीए के सभी दल लगा रहे ऐड़ी चोटी का जोर: एनडीए के पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने मंगलवार को संयुक्त प्रेस-वार्ता कर बांकीपुर उपचुनाव को जीतने का दावा किया। सभी ने एक सुर में कहा कि बांकीपुर की जनता विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व के पक्ष में मतदान करने का मन बना चुकी है। 30 जुलाई को एनडीए के पक्ष में रिकॉर्ड वोट पड़ेंगे। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस-वार्ता को भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष क्रमशः संजय सरावगी, उमेश सिंह कुशवाहा, राजू तिवारी, अनिल कुमार व आलोक सिंह ने संबोधित किया। बिहार की राजनीति में बांकीपुर विधानसभा सीट हमेशा से प्रतिष्ठा की सीट मानी जाती रही है।

मतदाता ही सरताज : बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र (संख्या-182) पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है और इसमें कुल 379402 पंजीकृत मतदाता हैं। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के लगभग एक लाख 10 हजार के आसपास है। यह पूरी तरह शहरी विधानसभा क्षेत्र है, जहां छात्र, कोचिंग संस्थान, निजी क्षेत्र के कर्मचारी, व्यापारी और मध्यम वर्ग की बड़ी आबादी रहती है।

चिंतन

छात्रों का सम्मान, लेकिन दंगाइयों पर न बरतें नरमी

हाल ही में नीट पेपर लीक को लेकर छात्र आंदोलनों के दौरान हुई गिरफ्तारियों और पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और जिन्हें केवल प्रदर्शन में भाग लेने के कारण हिरासत में लिया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। साथ ही, अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई गई है। यह फैसला लोकतंत्र, न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल छात्रों को राहत देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों दोनों के घायल होने की घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए अदालत ने डिजिटल साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग और अन्य रिकॉर्ड को भी सुरक्षित रखने का निर्देश देकर यह संदेश दिया है कि न्याय तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि आरोपों और राजनीतिक दावों के आधार पर। यदि किसी छात्र के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन यदि किसी ने हिंसा, आगजनी या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी या पहचान संबंधी विवरण किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं की जाए। इससे शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र में विरोध का पूरा सम्मान है, लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा देते हैं और जब उनकी मेहनत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती है तो आक्रोश स्वाभाविक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था बनाएं। वहीं, छात्रों को भी यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध का अर्थ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या हिंसा का सहारा लेना नहीं है। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की ताकत है, जबकि हिंसा उसकी सबसे बड़ी कमजोरी। यह भी उतना ही आवश्यक है कि पुलिस कार्रवाई कानून के दायरे में रहे। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है या निर्दोष छात्रों को निशाना बनाया गया है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। दूसरी ओर, यदि जांच में यह सामने आता है कि हिंसा में बाहरी असामाजिक तत्व शामिल थे या कुछ लोगों ने आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाई, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि हर बड़े छात्र आंदोलन के बाद असली मुद्दा पीछे छूट जाता है और बहस केवल राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई तक सीमित होकर रह जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है कि निर्दोष छात्रों की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा होनी चाहिए, लेकिन कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं मिल सकता। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षा प्रणाली इतनी मजबूत बने कि छात्रों को बार-बार सड़कों पर उतरने की नौबत ही न आए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान होना चाहिए, पर हिंसा और अराजकता को कभी भी आंदोलन का वैध माध्यम नहीं माना जा सकता। छात्रों को न्याय मिले, लेकिन दंगाइयों पर कानून की कठोरता भी उतनी ही दिखाई दे, यही न्याय, लोकतंत्र और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

भारतीय राजनीति का बदलता स्वरूप

> भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में समर्थकों और विरोधियों के बीच जो तीखी बयानबाजी हुई, उसने आधुनिक लोकतंत्र में सूचना, तथ्य और दुष्प्रचार के बीच की लगातार धुंधली होती रेखा को भी पूरी तरह उजागर कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में हुई थी, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य संभवतः व्यवस्था की खामियों पर हल्का कटाक्ष करना था। देखते ही देखते यह लाखों युवाओं की मुखर आवाज बन गया। इस अप्रत्याशित सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण वह गहरी और संरचनात्मक निराशा थी जो आज के युवाओं में परीक्षा पत्र लीक होने, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली घोर अनियमितताओं और लगातार बढ़ती बेरोजगारी को लेकर व्याप्त है। जब भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं को पारंपरिक राजनीतिक ढांचे में अपने जीवन से जुड़े ज्वलंत सवालों के जवाब नहीं मिले, तो उन्होंने डिजिटल मंचों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और रोजगार के समान अवसरों की मांग को इतनी मजबूती से उठाया कि सरकार को भी बचाव की मुद्रा में आना पड़ा।

दिल्ली सहित कई अन्य बड़े शहरों में हुए विशाल प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक आभासी या डिजिटल आक्रोश नहीं था, बल्कि जमीन पर उबल रहा एक वास्तविक और तीव्र गुस्सा था, जिसने अंततः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की मांग को मुख्य राष्ट्रीय विमर्श में ला खड़ा किया। जैसे जैसे आंदोलन ने गति पकड़ी और इसका प्रभाव बढ़ने लगा, वैसे वैसे इसके विरोध में भी एक समानांतर और अत्यंत आक्रामक डिजिटल अभियान शुरू हो गया। सोशल मीडिया की यही मूल प्रकृति है कि यहां हर राजनीतिक क्रिया की एक त्वरित और अक्सर बहुत उग्र प्रतिक्रिया होती है। अनेक वायरल पोस्टों के माध्यम से आंदोलन के संस्थापकों और प्रमुख चेहरों पर अत्यंत गंभीर और संगीन आरोप लगाए जाने लगे। यह दावा बड़े पैमाने पर किया गया कि इस आंदोलन का वास्तविक संचालन विदेशों से हो रहा है और इसके पीछे भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हाथ है। कुछ दावों में तो यहां तक कहा गया कि इनके डिजिटल समर्थकों और फॉलोअर्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आरोप को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसके समर्थन में ठोस, निष्पक्ष और स्वतंत्र प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न हों। प्रमुख और विश्वसनीय समाचार संस्थानों ने भी इन

आंकड़ों की कोई पुष्टि नहीं की। ऐसे में, बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के इन गम्भीर दावों को आंख मूंदकर स्वीकार कर लेना केवल राजनीतिक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यहां किसी भी सत्यापित सत्य से अधिक भड़काने वाली भावनाएं तेजी से फैलती हैं। यदि कोई सूचना या दावा राष्ट्रवाद, धर्म, राष्ट्रीय सुरक्षा या किसी ऐतिहासिक अन्याय जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा हो, तो उसके वायरल होने की गति कई गुना बढ़ जाती है। राजनीतिक दल, उनके सूचना तंत्र और विभिन्न हितधारक संगठन आम जनमानस के इस मनोविज्ञान को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि आज डिजिटल प्रचार और सूचनाओं का हेरफेर राजनीतिक रणनीति का एक अत्यंत अभिन्न अंग बन गया है। इस पूरी प्रक्रिया में अक्सर अपुष्ट और भ्रामक जानकारी इतने बड़े पैमाने पर और इतनी चतुराई से फैलाई जाती है कि एक आम नागरिक के लिए यह तय करना लगभग असंभव हो जाता है कि क्या सच है और क्या पूर्ण रूप से झूठ। भावनाओं के इस तेज ज्वार में तथ्य कहीं बहुत पीछे छूट जाते हैं, और हमारा समाज एक ऐसे अंधे ध्रुवीकरण की ओर बढ़ जाता है, जहां शांत और तार्किक बहस के लिए कोई स्थान नहीं बचता। इस पूरे राष्ट्रीय विवाद के दौरान सरकार और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों की भूमिका भी गहन जांच और चर्चा का विषय बनी रही। जब हजारों युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उन पर नजर रखने के लिए सरकार द्वारा ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और अन्य अत्याधुनिक आधुनिक निगरानी प्रणालियों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया। यह सच है कि आधुनिक समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसका उपयोग नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों को दबाने या उनकी निजता के हनन के लिए कतई नहीं किया जाना चाहिए। इस पूरे राजनीतिक विवाद का एक अत्यंत निराशाजनक पहलू सार्वजनिक संवाद और राजनीतिक भाषा के लगातार गिरते स्तर से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर विरोधियों के खिलाफ जिस प्रकार की जहरीली भाषा का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिए बहुत ही चिंताजनक है। वैचारिक विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए अत्यंत अपमानजनक शब्दों का लगातार इस्तेमाल और यहां तक कि उन्हें हिंसक तरीके से सबक सिखाने की खुली धमकियां आम हो गईं। लोकतंत्र में वैचारिक असहमति का होना न केवल स्वाभाविक है, बल्कि व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक भी है। लेकिन जब यह असहमति व्यक्तिगत शत्रुता में बदल जाए और खुलेआम हिंसा का आह्वान होने लगे, तो यह हमारे महान लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा और स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है। भारत का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन इस अधिकार के साथ यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि हम कानून व्यवस्था का सम्मान करें।

अंततः, इस पूरे बदलते राजनीतिक परिदृश्य में सबसे बड़ी और निर्णायक भूमिका युवाओं, आम नागरिकों और मुख्यधारा की मीडिया की ही रहने वाली है। भारत की एक बहुत बड़ी आबादी युवाओं की है, और यदि उनके रोजगार, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े बुनियादी सवालों को नीतिगत स्तर पर हल नहीं किया गया, तो ऐसे आंदोलन भविष्य में भी नए रूपों में जन्म लेते रहेंगे। आधुनिक लोकतंत्र की वास्तविक सफलता अब केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि हम सार्वजनिक विमर्श को कितनी जिम्मेदारी, तथ्यपरकता और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ाते हैं।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
डॉ. घनश्याम बादल

राष्ट्र निर्माण का संकल्प दिवस बने गुरु पूर्णिमा

भारतीय संस्कृति में यदि किसी संबंध को सर्वाधिक पवित्र और जीवन-निर्माणकारी माना गया है तो वह है गुरु और शिष्य का संबंध। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का उत्सव है। यह वह अवसर है जब हम उन गुरुओं को नमन करते हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, तप, त्याग और चरित्र से केवल व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का निर्माण किया। गुरु को ही ब्रह्मा विष्णु और महेश मानने वाले भारत में महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि ज्ञान का प्रकाश ही अज्ञान के अंधकार को समाप्त करता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाता है। कबीर ने लिखा-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।

केवल एक दोहा मात्र नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन का सार है। प्राचीन भारत के गुरुकुल केवल शिक्षा के केंद्र नहीं थे, वे चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की प्रयोगशालाएं थे। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, चाणक्य जैसे गुरुओं ने केवल विद्वान ही नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व गढ़े जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में गुरु वशिष्ठ का योगदान था। श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से जीवन का अनुशासन सीखा और चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को तैयार कर भारत के राजनीतिक इतिहास को नई दिशा दी। इन गुरुओं ने शिक्षा को कभी जीविका का साधन नहीं बनाया, बल्कि लोककल्याण का माध्यम माना। इस देश में प्राचीन काल में गुरु का दायित्व केवल शास्त्र पढ़ाना नहीं था। वह शिष्य के भीतर सत्य, करुणा, परिश्रम, राष्ट्रप्रेम, आत्मसंयम और न्याय जैसे मूल्यों का विकास करता था। शिक्षा का उद्देश्य नौकरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाना था। इसी कारण गुरुकुल से निकलने वाला विद्यार्थी समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनता था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, समाज बदला और शिक्षा की संरचना भी बदल गई। आज गुरुकुलों का स्थान विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ले लिया है। ज्ञान का विस्तार हुआ है, तकनीक ने शिक्षा को सुलभ बनाया है, लेकिन गुरु-शिष्य संबंधों की आत्मीयता कहीं न कहीं कमजोर हुई है। शिक्षा अब सेवा से अधिक व्यवसाय और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनती जा रही है। अंकों और प्रमाणपत्रों की दौड़ में व्यक्तित्व निर्माण का पक्ष अपेक्षाकृत पीछे छूट गया है। इसमें दो राय नहीं कि आज का शिक्षक अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रशासनिक कार्य, परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल रिपोर्टिंग, अभिभावकों की अपेक्षाएं और बाज़ारवादी शिक्षा व्यवस्था उसके मूल दायित्व को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर विद्यार्थियों की दुनिया भी मोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया और त्वरित सफलता की संस्कृति से संचालित हो रही है। ऐसे वातावरण में गुरु और शिष्य के बीच संवाद, विश्वास और आत्मीयता का दायरा सिमटता जा रहा है। फिर भी यह सच है कि समाज का भविष्य आज भी कक्षा में ही लिखा जाता है। इसलिए आज के आदर्श गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उसे केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक, संवेदनशील नागरिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी सिखाना होगा। यदि शिक्षक समय का सम्मान करता है, सत्यनिष्ठ है, निष्पक्ष है और निरंतर अध्ययनशील है, तो उसके विद्यार्थी स्वतः ही उन गुणों को अपनाने लगते हैं। गुरु पूर्णिमा संदेश देती है कि राष्ट्र का भविष्य किसी संसद, न्यायालय या उद्योग में नहीं, बल्कि सबसे पहले कक्षा में तैयार होता है। जब गुरु ज्ञान के साथ संस्कार देगा, शिष्य श्रद्धा के साथ जिज्ञासा रखेगा और समाज शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च माध्यम मानेगा, तभी एक सशक्त, संवेदनशील और नैतिक भारत का निर्माण संभव होगा। गुरु केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का शिल्पकार है। इसलिए गुरु का सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य में आस्था का सबसे बड़ा उत्सव होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

संकलित
दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

भगवान को बिना खिलाए मंदिर से लौटना नहीं

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राम्हण था, भगवान श्री कृष्ण के मंदिर में बड़ी सेवा किया करता था। उसकी पत्नी इस बात से हमेशा चिढ़ती थी कि हर बात में वह पहले भगवान को लाता। भोजन हो, वस्त्र हो या हर चीज पहले भगवान को समर्पित करता। एक दिन घर में लड्डू बने। ब्राम्हण ने लड्डू लिए और भोग लगाने चल दिया। पत्नी इससे नाराज हो गई। कहने लगी कोई पत्थर की मूर्ति जिंदा होकर तो खाएगी नहीं जो हर चीज लेकर मंदिर की तरफ दौड़ पड़ते हो। अबकी बार बिना खिलाए न लौटना, देखती हूँ कैसे भगवान खाने आते हैं। बस ब्राम्हण ने भी पत्नी के ताने सुनकर ठान ली कि बिना भगवान को खिलाए आज मंदिर से लौटना नहीं है। मंदिर में जाकर धूनि लगा ली। भगवान के सामने लड्डू रखकर विनती करने लगा। एक घड़ी बीती। आधा दिन बीता, न तो भगवान आए न ब्राम्हण हटा। आसपास देखने वालों की भीड़ लग गई। सभी कौतूहलवश देखने लगे कि आखिर होना क्या है। मक्खियाँ भिनभिनाने लगी ब्राम्हण उन्हें उड़ाता रहा। मीठे की गंध से चीटियां भी लाईन लगाकर चली आईं। ब्राम्हण ने उन्हें भी हटाया, फिर मंदिर के बाहर खड़े आवारा कुत्ते भी ललचाकर आने लगे। ब्राम्हण ने उनको भी खदेड़ा। दिन ढल गया, शाम हो गई। न भगवान आए, न ब्राम्हण उठा। शाम से रात हो गई। धीरे-धीरे सब घर चले गए। ब्राम्हण को भी गुस्सा आ गया, लड्डू उठाकर बाहर फेंक दिए। ब्राम्हण पत्नी के ताने सुनकर सो गया। रात को सपने में भगवान आए। बोले- तेरे लड्डू खाए थे मैंने। बहुत बढ़िया थे, कितने रूप धरने पड़े तेरे लड्डू खाने के लिए, मक्खी, चीटी, कुत्ता, भिखारी।

कांवड यात्रा

भक्त आरती(दाएं) अपनी सास उषा को कांवड में बैठाकर हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर मंगलवार को मेरठ पहुंची।

आज की पाती

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है। यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

-शरद काले, रायपुर

ट्रेंड

शर्मिला को बधाई

शर्मिला को महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में बेहद खास गोल्ड मेडल जीतने और सीज़न का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के लिए बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

दिल्ली लक्ष्मी योजना

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। प्रक्रिया पूरी होने पर, रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को 2,500 की पहली किस्त जारी की जाएगी। यह बहनों के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति एक संकल्प है।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

छात्र आतंकवादी नहीं

भाजपा को क्या हो गया है? बिहार में हमारे छात्रों पर ऐके-47 से गोलियां चलाई गईं। क्या ये छात्र आतंकवादी हैं? मैं सम्राट मोदी को याद दिलाना चाहता हूँ- लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार की धरती कभी इस नारे से गूंजी थी-"गद्दी छोड़ दो, क्योंकि जनता आ रही है।"

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कोरी बयानबाजी

प्रयागराज विरोध प्रदर्शन की आड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष टीम ने कई छात्रों को बिना नंबर वाली गाड़ी में उठा लिया है। क्या उत्तर प्रदेश पुलिस प्रधानमंत्री के आश्वासनों और वादों को कोरी बयानबाजी साबित करना चाहती है?

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

करंट अफेयर

श्रीलंका के प्राचीन हिंदू मंदिर में अनुष्ठान की हुई शुरुआत

श्रीलंका के तटीय शहर देविनुवारा स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सदियों से चले आ रहे धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व में अंडरवर्ल्ड की धमकी की वजह से इस अनुष्ठान को रद्द कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उथपालावाना श्री विष्णु मंदिर में एसाला पेराहेरा (धार्मिक जुलूस) के दौरान 'कावड़ी' अनुष्ठान की सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के सदस्यों समेत लगभग 1,500 जवानों को तैनात किया गया है। ऐसी खुफिया जानकारी मिली थी कि भगोड़े मादक पदार्थ माफिया शेहान सथसारा और कांजीपनी इमरान के बीच जारी 'गैंगवार' की वजह से अनुष्ठान के दौरान हथियारबंद लोगों द्वारा या ड्रोन से हमला किया जा सकता है, जिसके बाद रविवार को पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू किया गया। माना जाता है कि ये दोनों अपराधी विदेश से अपना नेटवर्क चला रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को 'कावड़ी' अनुष्ठान में शामिल लोगों की सुरक्षा जांच की गई और कुछ लोगों से मादक पदार्थ क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (जिसे स्थानीय भाषा में 'आइस' कहा जाता है) और गांजा जब्त किया गया।

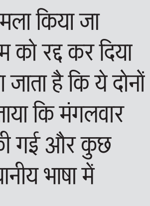

ऑफ बीट

क्या एआई सुलझा पाएगी प्राचीन भाषाओं की गुत्थी

आज तक जिन भी प्राचीन भाषाओं को पढ़ा और समझा जा सका है, उनके रहस्य सुलझाने के लिए शोधकर्ताओं को किसी न किसी आधार का सहारा मिला है। आमतौर पर यह आधार कोई द्विभाषी अभिलेख होता है, जैसे रोसेटा स्टोन, या फिर उससे मिलती-जुलती कोई ज्ञात भाषा, जिससे तुलना की जा सके, लेकिन कांस्य युग में यूनान के क्रीट द्वीप पर विकसित मिनोअन सभ्यता की लिपि 'लीनियर ए' के साथ ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। 'लीनियर ए' को भाषाविज्ञान में 'असंबद्ध भाषा' माना जाता है, क्योंकि इसका किसी ज्ञात जीवित या विलुप्त भाषा से अबतक कोई प्रमाणित संबंध स्थापित नहीं हो सका है। यही कारण है कि पिछले एक शताब्दी से यह भाषाविदों के लिए सबसे कठिन पहेलियों में से एक बनी हुई है। इसी तरह रोमन साम्राज्य के उदय से पहले प्रचलित रही इटली की 'एट्रस्कन' भाषा को समझने में भी केवल सीमित सफलता मिली है। कब्रों पर मिले छोटे-छोटे अभिलेखों के आधार पर इसका कुछ शब्दकोश तैयार किया जा सका है, लेकिन इसकी व्याकरण और गहरे अर्थ अब भी भाषाविदों की पकड़ से बाहर हैं। यही वे भाषाएं हैं, जिनकी पहेली सुलझाने में अब कृत्रिम मेधा (एआई) को भी शामिल किया जा रहा है।

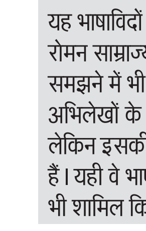

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

आज फिर दिखी सदन में तीखी नोकझोंक और वार-पलटवार

'इमरजेंसी' पर भिड़े रिजिजू और अखिलेश, किरेन बोले- आंदोलन के बाद बिल लेकर आना अच्छा है या आंदोलन को कुचलने के लिए...

लोकसभा में मंगलवार को एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री रिजिजू और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यादव ने सरकार पर प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक हमला बोलने का आरोप लगाया, जबकि रिजिजू ने आपातकाल का जिक्र कर पलटवार किया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में मंगलवार को एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई। अखिलेश ने सरकार पर प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक हमला बोलने का आरोप लगाया, जबकि रिजिजू ने आपातकाल का जिक्र कर पलटवार किया।

यादव ने कहा कि सरकार को सोचना चाहिए कि कहीं यही नौजवान हमारे लिए आपदा न बन जाएं। शिक्षा सच्ची होगी तो तरक्की भी पक्की होगी। उन्होंने पूछा कि 2024 में भी बिल लाया गया था, फिर भी पर्चा क्यों लीक हुआ? बिल लेकर क्यों आना पड़ा, यह बताएं। इस पर रिजिजू ने टोका और कहा कि आप बता दीजिए कि आंदोलन के बाद बिल लेकर आना अच्छा है या आंदोलन को कुचलने के लिए इमरजेंसी लगा देना अच्छा है? यादव ने जवाब दिया कि हमने इमरजेंसी नहीं देखी है, लेकिन दिल्ली में देखा है। आंसू गैस के गोले और लकड़ी पर कील जैसा कुछ लगाया गया था, जिसमें करेंट भी था। दिल्ली में जो हुआ, वह भी इमरजेंसी से कम नहीं था। अगर इमरजेंसी याद आ गई है, तो इमरजेंसी के बाद भी परिवर्तन हुआ था और इस बार भी परिवर्तन होगा। चढ़ावा चोरी, गुप्तदान भी चोरी हुआ है। भगवान भी आपको माफ नहीं करेंगे।

आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर किया प्रधान को बचा लियाः यादव

यादव ने कहा कि छात्र आंदोलन ने सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार के खिलाफ नारा लगा कि सरकार को ये अहंकार था कि ये सरकार झुकती नहीं है। लेकिन नौजवानों ये नारा दिया कि झुकाने वाला चाहिए। सरकार भी झुकती है। सरकार झुकी और स्वीकार किया उसने जो करोड़ों नौजवान मांग कर रहे थे। सदन में उन आश्वासनों को सरकार क्यों नहीं रख रही है। सभी सदस्यों को कितनी राहत मिली होगी कि एक प्रधान को हटाकर प्रधानमंत्री को बचा लिया?

मां के अंदाज में गरजीं बांसुरी

तुम्हारे पांवों के नीचे कोई जमीन नहीं... विपक्ष पर प्रहार, दोहरा रवैया नहीं चलेगा

चर्चा के दौरान भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज का संबोधन सिर्फ तथ्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें उनकी मां सुषमा स्वराज की शायराना शैली की भी झलक देखने को मिली। उन्होंने अपने भाषण में दुष्यंत कुमार की पंक्तियों- 'तुम्हारे पांवों के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं' से विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उनके इस अंदाज ने सदन में मौजूद कई सदस्यों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। स्वराज ने कहा कि इस मुद्दे पर बहस पूर्वाग्रह नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी आरोपी को बेल सरकार नहीं, बल्कि स्वतंत्र न्यायपालिका देती है। उन्होंने यूपीए शासनकाल से लेकर राजस्थान, पश्चिम बंगाल और हाल ही में पंजाब में फार्मेसी ऑफिसर भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ के कथित इस्तेमाल जैसे मामलों का जिक्र करते हुए विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

यूपीए में कितने पेपर लीक हुए देखिए गहलोत सरकार में अकेले 29 लीक

बांसुरी ने कहा विपक्षी नेता एक नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये पेपर लीक की समस्या सिर्फ साल 2014 के बाद ही पैदा हुई है। मोदी सरकार की सत्ता में आने से पहले जब एक दशक तक देश में यूपीए की सरकार थी और राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें थीं, तब एक या दो बार नहीं, बल्कि 22 बार परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। उसमें से 6 ऐसी परीक्षाएं थीं, जो सीधे कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अंतर्गत आती थीं। केवल गहलोत सरकार में 29 पेपर लीक हुए थे।

मालीवाल का केजरीवाल पर गंभीर आरोप

पंजाब में हुए 6 पेपर लीक, सीजेपी को बताया आप की 'बी टीम'

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पंजाब में पेपर लीक मामलों को लेकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले 5 वर्षों में पंजाब में 6 बड़े पेपर लीक हुए, लेकिन केजरीवाल इस मुद्दे पर चुप हैं। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मालीवाल ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब में छह बड़े पेपर लीक हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई परीक्षाओं में नकल के भी आरोप लगे हैं। 19 जुलाई को हुई फार्मेसी परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर नकल हुई थी। आप ने ने पंजाब में पेपर लीक के आरोपों से इनकार किया है।

गोगोई ने कहा

लड़कियों पर अत्याचार, पैलेट गन का इस्तेमाल...

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि छात्र आंदोलन ने यह दिखा दिया कि लोगों के मन से डर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर के प्रदर्शन के दौरान कुछ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल का समर्थन नहीं किया जा सकता। उन भावनाओं को भी याद रखना चाहिए, जिन्हें छात्रों ने सामने रखा। उन्होंने शायर वसीम बरेलवी की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा, उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है, जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।

अभिषेक ने कहा

पेपर लीक नहीं सरकार की नाकामी

टीएमसी नेता और सासंद अभिषेक बेनर्जी ने सरकार को सदन में घेरा। इस दौरान उन्होनें कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि ठीक से बहस हो, सदन चले। ये सरकार एक परीक्षा भी ठीक से नहीं करा सकती। जब छात्रों ने आवाज उठाई तो उन्हें लाठियां मिली। उन्होंने कहा कि न्यू इंडिया में यंग इंडिया कहां है। पेपर लीक नहीं सरकार की नाकामी समस्या है। भाजपा सरकार को याद रखना चाहिए। कि हर जेनरेशन आपका रिपोर्ट कार्ड बनाती है। इस जेनरेशन के रिपोर्ट कार्ड में सरकार फेल है। फेल है सही तरीके से परीक्षा कराने में। एक अदालत के स्पेशल जज ने सुनवाई नहीं की। सिर्फ इसलिए क्योंकि सीबीआई की ओर से कोई नहीं आया।

प्रधान सिर्फ एक मुखौटा

गोगोई ने कहा कि आप सुधार नहीं चाहते, क्योंकि संघ के लिए शिक्षा विभाग अहम है। आप चाहते हैं कि शिक्षा के माध्यम से इस पीढ़ी के लोग आपके संगठन के सदस्य बने। डीयू, आईआईटी, जेएनयू ने अपने स्टूडेंट्स ने कहा कि प्रदर्शन में मता जाओ। क्या ऐसे हम आने वाले भारत का निर्माण करेंगे।

पंजाब में साढ़े चार साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआः भगवंत मान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि राज्य में पेपर लीक का भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल झूठे आरोप लगा रहे हैं, साढ़े चार साल में पंजाब में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ।

मंगलवार को संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य सांसदों से मिलने संसद पहुंचे भगवंत सिंह मान ने कहा कि न फरमाइश, न पेपर लीक और न कैश, सिर्फ मेरिट पर पंजाब के 69 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुका हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा, पंजाबियों की मेहनत को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगा रही है। राजनीतिक जमीन पाने के लिए पंजाबियों को बदनाम करने की राजनीति भाजपा को भारी पड़ेगी। मान ने कहा कि भाजपा राजनीतिक लड़ाई मुझसे लड़े।

पंजाब के युवाओं की लगन और मेहनत को बदनाम करना बंद करे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब में पेपर लीक के झूठे आरोपों पर साफ कहा कि पंजाब में हमारी सरकार को बने हुए साढ़े चार साल हो गए हैं, लेकिन वहां एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। विपक्ष की ओर से राज्य के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के सवाल पर सीएम भगवंत मान ने कहा कि पहली बात तो फार्मेसी का एग्जाम शिक्षा विभाग का नहीं, बल्कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आता है।

पहले ही स्वास्थ्य मंत्री ने खुद यह साफ कर दिया है कि वहां कोई पेपर लीक नहीं हुआ था, केवल चीटिंग की कोशिश हो रही थी, जिसे तुरंत रोक दिया गया और वह एग्जाम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पंजाब में पेपर लीक जैसी कोई घटना नहीं हो सकती।

कई राज्यों में दिखी आफत की बारिश, असम और नगालैंड में बाढ़ का तांडव

बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान शुरू

वायुसेना ने संभाला मोर्चा... 458 लोगों को सुरक्षित निकाला, हवाई मार्ग से 9 टन राहत सामग्री पहुंचाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली / गुवाहाटी

भारतीय वायुसेना द्वारा असम और नागालैंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान लगातार जारी है। खराब मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद वायुसेना राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटी हुई है। मंगलवार को भारतीय वायुसेना ने बताया कि पिछले 10 दिनों के दौरान उसके हेलीकॉप्टरों ने बाढ़ में फंसे 458 लोगों को सुरक्षित बचाकर निकाला है।

वायुसेना जहां एक ओर बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बचाने में कामयाब रही है, वहीं इस आपदा में लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचा रही है। अभी तक प्रभावित क्षेत्रों में हवाई मार्ग से 9 टन से अधिक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई गई है। वायुसेना के अधिकारी व जवान, राहत अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर से लगातार दुर्गम और जलमग्न क्षेत्रों में उड़ान भर रहे हैं। ये वे प्रभावित क्षेत्र हैं जहां सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो चुका है। इन अभियानों के जरिए फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ-साथ खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है।

शिवसागर में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी

असम के शिवसागर जिले में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है क्योंकि नौजान गांव में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया और सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे सैकड़ों परिवार आश्रय, भोजन और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि राहत अभियान तेज कर दिए गए हैं।वहीं, असम के विधायकों ने एक बड़ा फैसला लिया है। रायजोर दल को छोड़कर सभी विधायकों ने मंगलवार को राज्य के बाढ़ पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए अपने एक महीने का वेतन दान करने की घोषणा की।

अध्यक्ष रणजीत ने कहा

विधानसभा, सचिवालय के कर्मी करेंगे वेतन का दान

अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने कहा कि वह और उपाध्यक्ष हब्बे टेरोन बाढ़ राहत के लिए एक महीने का वेतन दान करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि हमारे अलावा, विधानसभा सचिवालय के सभी कर्मचारी पीड़ितों की राहत और पुनर्वास के लिए एक दिन का वेतन दान करेंगे।

असम में बाढ़ का कहर

पीएम मोदी ने सांसदों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने असम के विभिन्न हिस्सों में व्याप्त बाढ़ की स्थिति पर राज्य के सांसदों के साथ बैठक की। इसके साथ ही आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने लोगों की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना की। उन्होंने एक्स पर लिखा,'असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशल मंगल की कामना करता हूं।

ऊना में उफनते नाले में बह गई कार, परिवार के 4 सदस्य थे सवार

ऊना। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से जगह-जगह से नुकसान की खबरें आ रही हैं। चंबा व कांगड़ा में भारी बारिश के बीच दो सड़क हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ऊना जिला के अंब क्षेत्र में एक कार नाले में बह गई। परिवार के चार लोग कार में सवार थे। यह पानी के बहाव से बेखबर नाले को पार करने की कोशिश कर रहे थे, इसी बीच कार तेज बहाव की चपेट में आ गई।स्थिति को बिगड़ता देख कार सवारों ने बिना समय गंवाए मुस्तैदी दिखाई और तुरंत वाहन से बाहर कूद गए। उनके बाहर निकलते ही कुछ ही सेकंड में कार ताश के पत्तों की तरह तेज बहाव में बह गई।

चंबा में कई इलाकों में मलबा घुसा, कांगड़ा में ट्रक गिरा

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। लगातार हो रही भारी बारिश से राज्य के कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। चंबा, शिमला, मंडी, कांगड़ा, सिरमौर, सोलन, कुल्लू और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन, नालों के उफान और जलभराव की घटनाएं सामने आई हैं। कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं, जबकि घरों, दुकानों और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है।

हिमाचल में भी बारिश का दिखा रौद्र रूप

नोएडा-गाजियाबाद समेत दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, कई इलाकों में जलभराव

दिल्ली और इसके आसपास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मंगलवार सुबह कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली और मौसम खुशनुमा हो गया। नोएडा, गाजियाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हो रही है। कई इलाकों में जलभराव और लंबा ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला। सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा।

सड़क यातायात पर लगा ब्रेक

राजधानी शिमला में लगातार बारिश के बीच भूस्खलन की घटनाओं से यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। सड़क यातायात पर ब्रेक लग गया है। लिफ्ट क्षेत्र के पास कार्ट रोड पर मलबा आने के कारण बसों की आवाजाही रोकनी पड़ी, जबकि कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया।

आईएमडी की चेतावनी | **दो दिन तक बिगड़ा रहेगा मौसम**

भारत मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन का असर देश के अधिकतर भागों में दिखाई दे रहा है। दिल्ली समेत पंजाब गुजरात, कोंकण, महाराष्ट्र समेत कई राज्य बारिश के चपेठ में रहेंगे। छत्तीसगढ़ में इसका असर रहा है। जिस कारण से छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे तक बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

उड़ान सेवा के शुभारंभ पर केंद्रीय मंत्री ने कहा

हब एंड स्पोक मॉडल से 2030 तक 4 लाख रोजगार और 30 अरब डॉलर की अतिरिक्त आर्थिक गतिविधि का लक्ष्यः राममोहन नायडू

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि देश में लागू किए जा रहे हब एंड स्पोक विमानन मॉडल से वर्ष 2030 तक लगभग चार लाख नए रोजगार सृजित होंगे और 30 अरब डॉलर की अतिरिक्त आर्थिक गतिविधि उत्पन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने इसे केवल विमानन क्षेत्र की पहल नहीं, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति को गति देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। पंजाब के श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अमृतसर में हब एंड स्पोक उड़ान सेवा के शुभारंभ के अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य देश के विभिन्न शहरों को बेहतर वैश्विक कनेक्टिविटी प्रदान करना और यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने बताया कि अब तक अमृतसर हवाई अड्डे से केवल सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी या नियमित अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी उपलब्ध थी। हब एंड स्पोक मॉडल लागू होने के बाद अमृतसर के यात्री अब दिल्ली के माध्यम से लगभग 20 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इनमें दुबई, सिंगापुर, बैंकॉक और पेरिस जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं।

इस सेवा का उद्घाटन नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हब एंड स्पोक मॉडल भारत के विमानन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल है। इसके तहत सरकार ने बेहतर अंतरराष्ट्रीय संपर्क वाले बड़े हवाई अड्डों को 'हब' के रूप में विकसित किया है, जबकि छोटे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को 'स्पोक' के रूप में जोड़ा जा रहा है। समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य यात्रियों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराना, यात्रा का समय कम करना और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों तक पहुंच को सरल बनाना है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय हवाई अड्डों की उपयोगिता बढ़ेगी, विमानन क्षेत्र का विस्तार होगा और पर्यटन, व्यापार तथा निवेश को भी नई गति मिलेगी। सरकार का मानना है कि हब एंड स्पोक मॉडल भारत के विमानन नेटवर्क को अधिक मजबूत, कुशल और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

तृणमूल से टूटकर आए सांसदों ने कहा, बैठक व्यवस्थित और ज्ञानवर्धक रही

पहली बार एनडीए की मंगल मिलन बैठक में शामिल हुए एनसीपीआई के सभी सांसद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर बनी नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सांसद पहली बार मंगलवार को एनडीए की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक में शामिल हुए।

इस बार बैठक का सबसे बड़ा एजेंडा था संसद में पेश होने वाले पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक-2026 को लेकर संसद के भीतर सहयोगी दलों के बीच तालमेल मजबूत करना, विधेयकों पर साझा रणनीति बनाना और विपक्ष के हमलों का एकजुट होकर जवाब देना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एनडीए संसदीय दल की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक मात्र फ्लोर मैनेजमेंट तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने यह संदेश भी दे दिया कि संसद के भीतर संख्या, समन्वय और रणनीति, तीनों मोर्चों पर एनडीए अब और अधिक आक्रामक अंदाज में उतरने वाला है। बैठक कह खास बात यह रही कि तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर बनी नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सांसद पहली बार एनडीए की औपचारिक रणनीतिक बैठक का हिस्सा बने। मंगल मिलन बैठक में एनसीपीआई सांसदों की पहली मौजूदगी ने यह संकेत भी दे दिया कि एनडीए संसद के भीतर अपना कुनबा लगातार बढ़ाने में जुटा है। सत्ता पक्ष ने विपक्ष को साफ संदेश दे दिया है कि उसकी रणनीति बचाव की नहीं, बल्कि पलटवार की है। उधर, एनसीपीआई की सांसद सायोनी घोष ने कहा, मैंने एनडीए की बैठक में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में यह एक अत्यंत ज्ञानवर्धक बैठक थी। आज हमने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर चर्चा की। यह काफी सकारात्मक चर्चा रही। उन्होंने लोकसभा में आज चर्चा के लिए पेश किये जाने वाले 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक 2026' का संदर्भ देते हुए कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी इस विधेयक का सभी को समर्थन करना चाहिए। एक अन्य सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बताया कि यह पहला मौका था जब एनसीपीआई के 20 सांसदों को एनडीए की 'मंगल मिलन' बैठक में आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा, हमें देश की प्रगति, मुक्त व्यापार समझौतों और किसानों के बारे में जानकारी दी गई, जो आंकड़े हमें प्राप्त हुए हैं, उनसे हम जनता को भी इन विषयों के बारे में बेहतर तरीके से समझा सकेंगे। अभिनेत्री से नेता बनीं शताब्दी रॉय ने कहा कि बैठक में सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, हमने पहले ऐसी चीजें नहीं देखी थी। यह सब व्यवस्थित था। उन्होंने हमें बताया कि कौन से विधेयक आने वाले हैं।

आदेश एक अगस्त, 2026 से 30 नवंबर, 2026 तक रहेगा लागू

डीलर के लिए स्टॉक की सीमा 4,000 क्विंटल तय की गई

सरकार ने चीनी डीलर के लिए स्टॉक की सीमा 30 दिन तक सीमित की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को निर्देश दिया कि कोई भी चीनी डीलर 30 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक या भंडार न रखे। इसके साथ ही चीनी कीमतों को काबू में रखने की कोशिशों के तहत 4,000 क्विंटल की स्टॉक सीमा तय की गई है। यह आदेश एक अगस्त, 2026 से 30 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगा। एक गजट अधिसूचना में, खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955' की धारा तीन और 'चीनी (नियंत्रण) आदेश, 2025' के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए यह पाबंदी लगाई।

- चीनी कीमतों को काबू में रखने के लिए निर्देश जारी किए गए
- चीनी डीलर 30 दिन से ज्यादा समय तक स्टॉक या भंडार नहीं रख पाएंगे

ज्यादा चीनी स्टॉक व्यापारी नहीं रख पाएंगे

अधिसूचना में कहा गया, "...केंद्र सरकार इसके जरिये निर्देश देती है कि कोई भी चीनी डीलर स्टॉक मिलने की तारीख से 30 दिन से ज्यादा समय तक कोई स्टॉक नहीं रखेगा और देश भर में किसी भी समय और किसी भी जगह पर 4,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रखेगा।"

30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर रोक लगाई गई

मंत्रालय ने सभी डीलर से पोर्टल पर चीनी के स्टॉक की स्थिति बताने और उसे नियमित रूप से अद्यतन करने को कहा। मई में, भारत ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को काबू में रखने के मकसद से इस साल 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर तुरंत प्रभाव से रोक लगा दी थी। सरकार ने सितंबर में खत्म होने वाले विपणन वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 16 लाख टन चीनी के निर्यात की मंजूरी दी है।

एथेनॉल के लिए 2.93 करोड़ टन का इस्तेमाल

इस्मा ने विपणन वर्ष 2025-26 के लिए कुल उत्पादन का अनुमान एथेनॉल के लिए इस्तेमाल के बाद 2.93 करोड़ टन का लगाया है, जो वर्ष 2024-25 में दर्ज दो करोड़ 61.2 लाख टन से ज्यादा है।

कमजोर मानसून के अनुमान के कारण रोक लगाई

कमजोर मानसून के अनुमान के बीच कीमतों को काबू में रखने के लिए केंद्र ने पहले ही चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी है। यह आदेश सरकारी खाते में रखे चीनी स्टॉक, या राज्य सरकार द्वारा चुने गए डीलर या उसके द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' के तहत उचित मूल्य की दुकानों के जरिये वितरण के लिए रखे गए स्टॉक पर लागू नहीं होगा।

स्टॉक मिलने के दिन से तारीख की गणना

मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों या केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को स्टॉक रखने और कारोबार की सीमाएं तय करनी चाहिए, बशर्ते स्टॉक की सीमा और कारोबार की अवधि यहां बताई गई सीमा या अवधि से ज्यादा न हो। स्टॉक रखने की अवधि की गिनती के लिए, उस तारीख को शामिल किया जाना चाहिए जिस दिन डीलर को कोई स्टॉक मिलता है।

व्यापारी सट्टेबाजी वाली खरीदी से बचे

गत 17 जुलाई को, चीनी उद्योग की संस्थाओं इस्मा और एनएफसीएसएफ ने कहा कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है और उन्होंने संस्थागत खरीदारों के साथ-साथ थोक और खुदरा व्यापारियों से कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बीच "सट्टेबाजी वाली लिवाली" से बचने को कहा।

स्ट्रीट प्लेयर बनेंगे स्टार, 'एनसीआर टी-20' क्रिकेट लीग का ऐलान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की तलाश के मकसद से एनसीआर टी-20 क्रिकेट लीग की घोषणा की गई है। नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया एनएससीआई, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आज लीग के संस्थापक एवं निदेशक नितिन शर्मा, सिद्धांत कौशिक ने इसका ऐलान किया और लीग की खूबसूरत ट्रॉफी के साथ सभी आठ टीमों की जर्सी भी लॉन्च से पर्दा उठाया। इस मौके पर आईपीएल खिलाड़ी राहुल यादव, योगेश नागर और ईशान मल्होत्रा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में , डॉ. अनिल गोयल – विधायक एवं डीडीसी चेयरमैन, वी.पी.एस. तोमर पूर्व सांसद, संजय गोयल विधायक, दिल्ली, रवि कांत विधायक, दिल्ली भी कार्यक्रम में शामिल हुए। नितिन शर्मा और सिद्धांत कौशिक ने बताया कि 26 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 चलने वाले इस टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें यमुना वारियर्स, फरीदाबाद फायरबर्ड्स, अरावली एवेंजर्स, गुरुग्राम ग्लैडिएटर्स, कैपिटल क्रूजर्स, दिल्ली डायनेमोस, गाजियाबाद जायंट्स और नोएडा निंजास शामिल हैं। इन टीमों में स्टार्स क्रिकेटर के साथ नवोदित प्रतिभाओं के संगम से दिल्ली-एनसीआर के क्रिकेट प्रेमियों को खेल का पूरा रोमांच और लुत्फ उठाने का अवसर मिलेगा। विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 10 लाख रुपये और उपविजेता को ट्रॉफी और 5 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इसके साथ ही रोजाना मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर जैसे इनाम भी होंगे, जिससे मैचों के रोमांच बढ़ोतरी होगी। लीग के संस्थापक एवं निदेशक सिद्धांत कौशिक ने कहा कि एनसीआर टी-20 क्रिकेट लीग का लक्ष्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कोने-कोने से ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की तलाश करना है, जो संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाए। लीग का उद्देश्य गली-मोहल्लों में खेलने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के जोश और जुनून को प्रोफेशनल स्टेडियम की पहचान और सम्मान से जोड़ना है।

एशियाई बाजारों में कमजोर रुख से सेंसेक्स 70 अंक टूटा

- निफ्टी में भी मामूली गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को मामूली गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए। दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों की इस सप्ताह मौद्रिक नीति बैठकों से पहले और एशिया के अन्य बाजारों में भारी बिकवाली के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 69.86 अंक टूटकर 76,765.92 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 76,988.48 अंक के उच्च स्तर और 76,672.77 अंक के निचले स्तर तक आया। निफ्टी 10.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,985.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 6.97 प्रतिशत टूटा। कंपनी के शुद्ध लाभ में कमी से शेयर नुकसान में रहा। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 3.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,680 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयर में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इटर्नल, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस और टाइटन शामिल हैं।

सुजलॉन एनर्जी का मुनाफा छह फीसदी घटा 305 करोड़

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जून तिमाही का शुद्ध लाभ लगभग छह प्रतिशत घटकर 305 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 324 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व बढ़कर 3,819 करोड़ रुपये हो गया, जो पहले 3,117 करोड़ रुपये था। सुजलॉन समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) राहुल जैन ने कहा, हमने इस तिमाही में मजबूत आय वृद्धि दर्ज की, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़ा, जो बेहतर क्रियान्वयन और परियोजनाओं की आपूर्ति को दर्शाता है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सं: 46265210 के लिए भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए कार्यरत सहायक सामग्री प्रबंधक के दवारा ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार है:

कार्य का नाम	Diesel generating set 750 KVA with AMF panel confirming to COFMOW Specification NO.COFMOW/IR/D.G Set with AMF/2015 Rev-IV or Latest. Including PMC 02 Years + CAMC 05 years after warranty.		
कार्य की अनुमानित लागत	₹9599181.13/-	मात्रा	01 नग
निविदा की बोली प्रस्तुत (जमा) करने की तिथि एवं समय	25.08.2026 (11:00 hrs.)		
निविदा दस्तावेजों को खोलने की तिथि एवं समय	25.08.2026 (11:00 Hrs.)		
वेबसाइट की विवरण, जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in		

टिप्पणी: (i) ई–निविदा प्रणाली में शामिल होने के लिए निविदादाता को भारतीय रेल ई–प्रापण प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेजे देखें। (iii) कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं हैं।

एनआईटी सं: 46265210 दिनांक: 27.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2602/2026

खबर संक्षेप

रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 95.88 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में संकट कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपया लगातार तीसरे सत्र में मजबूती दर्शाता बंद हुआ। यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 95.88 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली के दबाव के बीच विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले डॉलर इंडेक्स के ऊंचे स्तर पर रहने के कारण स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही।

रुपये की मजबूती से सोना और चांदी में रही गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर वैश्विक रुख और रुपये की मजबूती से राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 2,640 रुपये घटकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं चांदी की कीमत 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम टूट गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,49,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 2,640 रुपये टूटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। चांदी में भी बिकवाली देखी गई और इसकी कीमत 5,200 रुपये टूटकर 2,24,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि रुपये की मजबूती से घरेलू बाजार में आयातित सर्राफा (सोना-चांदी) की यहां मंगाने की लागत कम हो गई। दूसरी ओर, कमजोर वैश्विक रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले सावधानी के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा कमजोर रही।

मौसम संबंधी रुकावटों के दौरान ट्रैवल इंश्योरेंस क्या-क्या कवर करता है

नई दिल्ली। यात्रा हमेशा नई जगहों को खोजने, नए लोगों से मिलने और अनजान रास्तों पर कदम रखने का रोमांच और उत्साह लेकर आती है। लेकिन आज के दौर में, उस उत्साह के साथ अनिश्चितता का एक डर भी जुड़ गया है। अचानक आए तूफान, भीषण गर्मी, बाढ़ और जंगलों की आग जैसी चरम मौसमी घटनाएं यात्राओं को काफी प्रभावित कर रही हैं। ये रुकावटें न केवल हमारे यात्रा कार्यक्रम को बिगाड़ती हैं, बल्कि इस पर भी असर डालती हैं कि यात्री कैसे योजना बनाएं, कैसे तैयारी करें और अपने पैसे की सुरक्षा कैसे करें। यहीं पर ट्रैवल इंश्योरेंस काम आता है, जो प्रकृति की अनिश्चितताओं के सामने एक व्यावहारिक सुरक्षा कवच की तरह है। खराब मौसम के कारण यात्रा में रुकावट आने पर मिलने वाला कवरेजः ट्रिप कैंसलेशनः अगर खराब मौसम के कारण आपकी यात्रा कैंसल हो जाती है, तो इंश्योरेंस नॉन-रिफंडेबल लागतों जैसे फ्लाइट, होटल या टूर के खर्चों को रीइम्बर्समेंट करता है। फ्लाइट में देरीः जब देरी एक तय लिमिट (आमतौर पर 3-6 घंटे) से अधिक होती है, तो पॉलिसी के तहत प्रतीक्षा अवधि के दौरान भोजन, होटल में रहने या अन्य आवश्यक सुविधाओं को कवर किया जाता है. कनेक्टिंग फ्लाइट छूट जानाः अगर खराब मौसम के कारण आपकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूट जाती है, तो इंश्योरेंस आपके गंतव्य तक पहुंचने पर होने वाले अतिरिक्त यात्रा या लॉजिंग के खर्चों का भुगतान करता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बीएचईएल ने अपनी वैश्विक उपस्थिति मजबूत की

अंतरराष्ट्रीय परिचालन प्रभाग ने गैस क्षेत्र में प्रतिष्ठित ऑर्डर हासिल किया

नई दिल्ली। भारत सरकार के उद्यम, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने नाइजीरिया के डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज से आठ (8) गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों की आपूर्ति और उनके निर्माण एवं चालू करने (कमीशनिंग) के पर्यवेक्षण का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर हासिल कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमता को फिर से साबित किया है। कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल किया गया यह ऑर्डर, डांगोटे समूह के हिस्से - डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज, नाइजीरिया द्वारा दिया गया है। यह समूह अफ्रीका के सबसे बड़े और सबसे विविध व्यापारिक समूहों में से एक है, जिसका कारोबार तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सीमेंट, चीनी, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में फैला हुआ है। कार्य के दायरे में आठ गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों का निर्माण और आपूर्ति के साथ-साथ साइट पर निर्माण और कमीशनिंग गतिविधियों का पर्यवेक्षण शामिल है। इन उपकरणों का निर्माण बीएचईएल की हैदराबाद और बेंगलुरु स्थित इकाइयों में किया जाएगा। मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों के लिए आपूर्ति और पर्यवेक्षण के आधार पर कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा एकल (सिंगल) ऑर्डर होने के कारण, यह ऑर्डर बीएचईएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह ऑर्डर दुनिया भर में बीएचईएल की पहुंच को और बढ़ाएगा तथा एक वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम के रूप में बीएचईएल की क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। बीएचईएल ने कई अन्य अफ्रीकी देशों को विभिन्न प्रकार के उत्पादों और उपकरणों की आपूर्ति करने के अलावा, मिस्र, इथियोपिया, लीबिया, रवांडा, सेनेगल और सूडान जैसे देशों में बिजली क्षेत्र की परियोजनाओं के सफल निष्पादन के माध्यम से पूरे अफ्रीका में अपनी मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। कंपनी ने इससे पहले नाइजीरिया की क्रॉस रिवर स्टेट सरकार को 26 मेगावाट गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेज की आपूर्ति और उसके निर्माण एवं कमीशनिंग के पर्यवेक्षण का ऑर्डर भी निष्पादित किया है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPc/84BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गंभीर सिंह पुत्र गंगा सिंह निवासी के–6/1, विजय विहार, फेज 1, सेक्टर–4, रोहिणी, दिल्ली** ने **FIR No. 380/2018 U/S 33 Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना विजय विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गंभीर सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गंभीर सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 380/2018 U/S 33 Delhi Excise Act, अन्तर्गत थाना विजय विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गंभीर सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.11.2026** को **सुबह 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री शगुन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
उत्तर–पश्चिम जिला, कमरा नं. 109, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/10196/RD/2026(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (ii) Cr.Pc. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गुलशन नरूला पुत्र रूप चंद** निवासी: बी–82, फतेह नगर, दिल्ली ने **FIR No. 552/2018 U/S 379 IPC & 3 PDPP Act. थाना : हरी नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गुलशन नरूला** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गुलशन नरूला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 552/2018 U/S 379 IPC & 3 PDPP Act., थाना : हरी नगर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गुलशन नरूला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 01.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस, जेएमएफसी–II,
वेस्ट, कमरा नं. 31
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/10297/WD/2026
Court notice

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

दिल्ली जं.–शामली–दिल्ली जं. एमईएमयू की सेवा का हरिद्वार तक अस्थायी विस्तार

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा काँवड़ मेला–2026 के दौरान रेलगाड़ी सं. 64033/64034 दिल्ली जं.–शामली–दिल्ली जं. एमईएमयू का विस्तार अस्थायी रूप से हरिद्वार तक करने का निर्णय लिया गया है। इसका विवरण निम्नानुसार है:–

64033/64034 दिल्ली जं.–शामली–दिल्ली जं. एमईएमयू का हरिद्वार तक अस्थायी विस्तार

रेलगाड़ी सं. 64033		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 64034	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:25	दिल्ली जं.	10:10	----
दिल्ली जं.–शामली–दिल्ली जं. के बीच कोई परिवर्तन नहीं				
19:00	19:05	शामली	06:55	07:00
19:12	19:13	सिलावर	06:41	06:42
19:17	19:18	हीन्ड	06:38	06:39
19:22	19:23	उस्मानपुर देहात हाल्ट	06:35	06:36
19:27	19:28	हरड़ फतेहपुर	06:32	06:33
19:33	19:34	थाना भवन टाउन	06:28	06:29
19:38	19:39	थाना भवन	06:25	06:26
19:47	19:48	ननौता	06:18	06:19
19:54	19:55	सोना अर्जुनपुर	06:13	06:14
20:01	20:02	रामपुर मनिहारान	06:08	06:09
20:07	20:08	भांकला हाल्ट	06:04	06:05
20:12	20:13	जन्धेडा हाल्ट	06:01	06:02
20:17	20:18	मनानी	05:58	05:59
20:30	20:31	टपरी	05:50	05:51
21:25	21:27	रूड़की	05:00	05:02
22:40	22:42	ज्वालापुर	04:10	04:12
23:00	----	हरिद्वार	----	04:00

विस्तार की तिथि:
64033 दिल्ली जं. से दिनांक 29.07.2026 से 13.08.2026 तक और
64034 हरिद्वार से दिनांक 30.07.2026 से 14.08.2026 तक

उपरोक्त रेलगाड़ी के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2608/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान–सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म–कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन–सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग–दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन–पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

साढ़े चार साल में पंजाब में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ : भगवंत सिंह मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पेपर लीक का झूठ फैला रहे भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल पर तीखा हमला बोला। मंगलवार को संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य सांसदों से मिलने संसद पहुंचे भगवंत सिंह मान ने कहा कि न फरमाइश, न पेपर लीक और न कैश, सिर्फ मेरिट पर पंजाब के 69 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुका हूं। भाजपा, पंजाबियों की मेहनत को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगा रही है। राजनीतिक जमीन पाने के लिए पंजाबियों को बदनाम करने की राजनीति भाजपा को भारी पड़ेगी। भाजपा राजनीतिक लड़ाई मुझसे लड़े। पंजाब के युवाओं की लगन और मेहनत को बदनाम करना बंद करे। मंगलवार को संसद में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और सांसदों से मिलने के उपरांत मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि लोग आपस में मिलते रहें। राजनीति में वैचारिक मतभेद चलते रहते हैं और ये हो भी सकते हैं, लेकिन आपस में मनभेद नहीं होना चाहिए। इस दौरान उन्होंने पंजाब में पेपर लीक के झूठे आरोपों पर साफ कहा कि पंजाब में हमारी सरकार को बने हुए साढ़े चार साल हो गए हैं, लेकिन वहां एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछले दिनों पंजाब में फार्मेसी के एक एग्जाम में हमारे सामने चीटिंग का एक मामला जरूर आया था। सुबह 11 बजे एग्जाम शुरू हुआ और 11:15 बजे तक हमें पता चल गया कि कोई छात्र ब्लूटूथ वाले पेन से स्कैनिंग करके बाहर से हेडफोन के जरिए जवाब पूछ रहा था। पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए 10 छात्रों के साथ-साथ बाहर बैठे 11 लोगों के पूरे गैंग को पकड़कर जेल भेज दिया।

शब्द पहेली - 6301

बाएँ से दाए
1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह, टीस, लालसा-3
6. हानि, आपत्ति-2
7. दुश्मनी, बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश, आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत, मुसीबत-2
19. शैतानी, बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा, लालसा-4
24. कवि, गजलकार-3
25. जरा, थोड़ा-2
27. मुलायम, नाजुक-3
28. गुफा, खोह-2
29. प्रियतम, सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह.शक्ति-2
3. बिनाबाल वारा, गंजा-4
4. पंक्ति, लाइन-3
5. लड़की, पुत्री, बेटी -2
7. वहम, संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा, कसम -3
13. गंगा का पानी -4
15. तीखा, तीक्ष्ण-3
16. आतुर, धैर्यहीन -4
17. संभवतः-3
18. मर्कट, कपि-3
20. गोविंदा, खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन, प्रेमी-3
24. संध्या, सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना, मास-2

शब्द पहेली- 6300 का हल

■	प	रा	या	प	न	■	म	च	ल	ना
सां	ग	■	च	■	का	ली	न	■	त	ट
व	■	त	क	रा	र	■	का	ल	■	की
ला	चा	र	■	■	दे	श	■	त	न	य
प	■	ती	■	पा	ना	■	गा	■	क	■
न	क	ब	ज	न	■	चा	ल	च	ल	न
■	हा	■	मा	■	च	र	■	ह	■	म
म	र	ना	■	द	म	■	■	क	स	क
र	■	श	क	■	क	रा	ह	ना	■	या
दू	ब	■	ल	बा	दा	■	रा	■	या	त्रा
द	या	क	र	■	र	च	ना	का	र	■

अभावों व संघर्षों को पछाड़ गोल्डन गर्ल शर्मिला ने जीता देश का दिल

कॉमनवेल्थ गेम्स में सोना जीतकर महेंद्रगढ़ के गांव छितरौली की बेटी धनखड़ ने रचा इतिहास

26 साल की उम्र में पहले पति ने मारपीट कर घर से निकाला, 28 की उम्र में दूसरी शादी की

दूसरे पति ने दिया सहारा और अब जीत लिया पदक

दलीप सिंह दीक्षित ▶▶| कनीना

खास खबर

दो साल की उम्र में पोलियो की मार, घरेलू हिंसा का दर्द और दो बेटियों की परवरिश के लिए मेड, क्लीनर व सिक्योरिटी गार्ड तक की नौकरी की। जिंदगी ने शर्मिला धनखड़ की हर कदम पर परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अपने संघर्ष को ताकत बना लिया। बेहद गरीब परिवार से आने वाली शर्मिला को कई सालों तक दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया था। जब वह 26 साल की थी तो उनके पहले पति ने मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया। उस समय तक उनकी दो बेटियां हो चुकी थी। पहले पति से तिरस्कार सहने के बाद शर्मिला अपने दोनों बच्चों को लेकर पिता के घर लौट आईं। इसके बाद परिवार के मजबूत सहारे से उन्होंने अपनी जिंदगी को फिर से संवारा और दूसरी शादी की।

भाई चलाता है ऑटो, पिता की हो चुकी मौत

गांव छितरौली के सरपंच प्रतिनिधि बलवान आर्य ने बताया कि तीन साल पहले शर्मिला के पिता की मौत हो चुकी है। घर में मां संतोष देवी हैं, जो दृष्टिहीन हैं। परिवार में तीन बहनें और एक भाई मोनू है। पिता का साया उठने के बाद और नेत्रहीन मां की देखभाल के साथ-साथ परिवार के भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी भाई मोनू के कंधों पर आ गई। आज मोनू दिन-रात ऑटो चलाकर किसी तरह अपने परिवार का पेट पाल रहा है। चारों बहन भाई शादीशुदा हैं।

दो साल की उम्र में पोलियो हुआ, मां नेत्रहीन

महेंद्रगढ़ में कनीना उपमंडल के गांव छितरौली में पली-बढ़ीं शर्मिला की परवरिश सूखे से प्रभावित इलाके में उनकी नेत्रहीन मां और किसान पिता ने की थी। वह तीन बेटियों में दूसरे नंबर पर थीं। दो साल की उम्र में, उन्हें पोलियो हो गया, जिससे उनका बायां पैर हमेशा के लिए खराब हो गया।

पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीत लिया। इसके साथ ही वह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। उनकी यह उपलब्धि भारत के लिए 20 साल बाद पैरा एथलेटिक्स का पहला कॉमनवेल्थ पदक भी है। शर्मिला की कहानी बताती है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, अटूट हौसला और दृढ़ संकल्प हर मंजिल को संभव बना सकते हैं।

लौटने पर गांव में होगा शानदार स्वागत

गांव के सरपंच प्रतिनिधि बलवान आर्य ने बताया कि शर्मिला की इस ऐतिहासिक और जज्बे से भरी उपलब्धि पर उनके पैतृक गांव छितरौली में खुशी की लहर है। उनके गांव में लौटने के बाद शानदार स्वागत किया जाएगा। वहीं, ग्रामीण रामनिवास धनखड़ ने बताया कि 8 अगस्त के बाद जब देश की यह चैंपियन बेटी वतन वापस लौटेगी और ज्यों ही गांव पहुंचेगी, तो उसका अभूतपूर्व और ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया जाएगा। शर्मिला धनखड़ की यह स्वर्णिम जीत पूरे समाज के लिए एक मिसाल है, जो यह साबित करती है कि अगर हौसलों में जान हो, तो परिस्थितियां कभी भी कामयाबी का रास्ता नहीं रोक सकतीं।

18 साल की उम्र में पहली शादी

18 साल की उम्र में उनकी शादी एक ऐसे घर में हुई जहां उनके साथ बुरा बर्ताव किया जाता था, उन्होंने कई सालों तक शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना सही। उस दौरान, कई बार उनके मन में अपनी जान देने का ख्याल आया। 26 साल की उम्र में पहले पति की प्रताड़ना से तंग आकर उसने सामाजिक रूप से तलाक ले लिया। 28 साल की उम्र में उन्होंने दूसरी शादी की और उनके पति अजीत सिंह ने उन्हें पैरा-एथलेटिक्स में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करके उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव लाया और अब उसने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

अब रेवाड़ी में पति के साथ रहती है शर्मिला

शर्मिला अब रेवाड़ी जिले के एक गांव में शादीशुदा हैं। एक तरफ ससुराल की जिम्मेदारियां और दूसरी तरफ मायके की घोर आर्थिक तंगी इन विपरीत और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद इस होनहार बेटी ने अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। तमाम अभावों के बोझ तले दबने के बजाय, शर्मिला ने खेल के मैदान में पसीना बहाया और अपने दृढ़ संकल्प से वह मुकाम हासिल किया, जिस पर आज हर ग्रामीण और देशवासी को गर्व है।

खबर संक्षेप

विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिपः मलेशिया से हारी महिला टीम

नई दिल्ली। हाल ही में विश्व जूनियर चैंपियन बनी अनाहत सिंह ने अपना मुकाबला तो जीत लिया, लेकिन भारत की अन्य खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, जिससे महिला टीम को कनाडा के ओंटारियो में चल रही विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में मलेशिया से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के पहले दो मैच हारने के बाद अनाहत ने अंतिम मैच में व्हिटनी विल्सन को 11-2, 11-4, 11-5 से आसानी से हरा दिया। रुद्र सिंह पहले मैच में हरलीन टैन से 5-11, 4-11, 6-11 से हार गई जबकि अनिका दुबे को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में ये सान ली से 8-11, 11-8, 11-8, 10-12, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

आईएसएसएफ : सोनम और हिमांशु ने जीता कांस्य

हांगझोउ। राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर और हिमांशु ढिल्लो ने आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता। भारत के अब इस विश्व कप में एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं। सोनम ने 317.2 और हिमांशु ने 317.4 स्कोर किया और दोनों का कुल स्कोर 634.6 रहा। फाइनल में सोनम और हिमांशु ने 441.2 अंक बनाकर चीन वन और चीन टू के बाद कांस्य पदक हासिल किया। इलावेनिल और पार्थ चौथे स्थान पर रहे।

2 अगस्त को सोल्जरथॉन राष्ट्रपति दिखाएंगी हरी झंडी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 2 अगस्त को राष्ट्रपति के अंगरक्षकों की 253 साल पुरानी विरासत का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाली पहली सोल्जरथॉन को हरी झंडी दिखाएंगी। सोल्जरथॉन का उद्घाटन कारगिल युद्ध के 27 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भी किया जाएगा। आयोजकों ने कहा, 'सोल्जरथॉन में अनुभवी धावक, परिवार, छात्र, संस्थान और कॉरपोरेट टीम भाग ले सकती हैं। इसमें 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 3 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। इस दौरान भारतीय सेना सैन्य प्रदर्शन भी करेगी।

श्रीलंका टेस्ट के लिए टीम का ऐलान सारांश को मौका, जडेजा की वापसी

पहला टेस्ट 15 से 19 तक गॉल और दूसरा 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चयनकर्ताओं ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दो टेस्ट मैच की यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो (एसएससी) में होगा। इस श्रृंखला की तैयारी के लिए भारत 7 अगस्त से चार दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगा। मध्यप्रदेश के अनुभवी ऑफ स्पिनर सारांश जैन को श्रीलंका में होने वाली श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया। हमने रविवार को खुलासा कर दिया था कि वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण उनकी जगह 33 वर्षीय सारांश को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं जडेजा की टीम में वापसी हुई है।

घरेलू क्रिकेट में सारांश का शानदार प्रदर्शन

वाशिंगटन की अनुपस्थिति में शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम को दाएं हाथ के उंगली के स्पिनर (ऑफ स्पिनर) की जरूरत थी, इसी वजह से सारांश को टीम में शामिल किया गया है। चंद्रकांत पंडित की कोचिंग में मध्यप्रदेश की रणजी ट्रॉफी विजेता टीम के प्रमुख सदस्य रहे लंबे कद के ऑफ-स्पिनर सारांश ने हाल ही में भारत ए के श्रीलंका दौरे के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मैचों में छह विकेट लेने के साथ एक पारी में नाबाद 70 रन भी बनाए थे। रविंद्र जडेजा और मानव सुथार दोनों बाएं हाथ के परंपरागत (ऑर्थोडॉक्स) स्पिनर हैं जबकि कुलदीप यादव बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर हैं, ऐसे में चयनकर्ताओं ने स्पिन विभाग में विविधता लाने के लिए ऑफ स्पिनर के रूप में सारांश का चयन किया।

बुमराह और सुदर्शन टीम में शामिल

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान संन्यास लेने वाले आर अश्विन की जगह टीम में शामिल किए गए मुंबई के ऑलराउंडर तनुष कोटियन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए, जिससे उन्हें चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। टीम में शामिल अन्य खिलाड़ियों का चयन अपेक्षित था। श्रीलंका ए के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट लेने वाले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने अपनी जगह बरकरार रखी है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। टीम के श्रीलंका रवाना होने से पहले इस महीने के अंत में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा।

टीम इस प्रकार

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।

भिवानी की प्रीति और प्रिया ने कर दिया कमाल, बॉक्सिंग में दो और मेडल पक्के

दोनों सेमीफाइनल में पहुंची, प्रदेश में जश्न का माहौल

रोहतक। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। 28 जुलाई को भारत की स्टार बॉक्सर प्रीति पवार और प्रिया घनघस ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही दोनों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर दिया है। अब दोनों की नजरें फाइनल में पहुंचकर गोल्ड की दौड़ में बने रहने पर होंगी। इससे पहले स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन भी भारत के लिए एक मेडल पक्का कर चुकी हैं।

प्रीति ने दर्ज की शानदार जीत

वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज प्रीति ने महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की निकोल क्लाइड को पूरी तरह से दबाव में रखा। भारतीय मुक्केबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और शानदार पंचों व बेहतरीन फुटवर्क के दम पर मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। प्रीति के सटीक पंच और शानदार डिफेंस के आगे निकोल बेबस नजर आईं। सभी पांच जजों ने मुकाबला प्रीति के पक्ष में 30-25, 30-25, 30-26, 30-26 और 30-27 के स्कोर से दिया। इस दमदार जीत के साथ प्रीति ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर भारत के लिए एक और मेडल सुनिश्चित कर लिया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला 31 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3:15 बजे जाम्बिया की कैथरीन म्वापे से होगा।

प्रिया घनघस ने वापसी कर पलटा मैच

महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में वर्ल्ड नंबर-4 प्रिया घंघास ने स्कॉटलैंड की नियाम मिशेल को रोमांचक मुकाबले में 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। मुकाबले की शुरुआत प्रिया के लिए अच्छी नहीं रही। पहले राउंड में घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं मिशेल ने बढ़त बना ली थी। लेकिन दूसरे राउंड में प्रिया ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले का रुख बदल दिया। इस दौरान दोनों मुक्केबाजों को एक-एक पॉइंट की कटौती भी झेलनी पड़ी। निर्णायक तीसरे राउंड में प्रिया ने अपना बेहतरीन खेल दिखाया। उनके सटीक और असरदार पंचों ने सभी पांच जजों को प्रभावित किया और भारतीय मुक्केबाज ने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अजय बाबू सिर्फ एक किलो से गोल्ड चूके

अजय बाबू वल्लुरी ने पुरुष 79 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। आंध्र प्रदेश के इस युवा वेटलिफ्टर ने कुल 330 किलोग्राम (149+181) वजन उठाया और गोल्ड से महज 1 किलोग्राम पीछे रह गए। मलेशिया के एरी हिदायत मुहम्मद ने 331 किलोग्राम के गेम्स रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता, जबकि इंग्लैंड के क्रिस मरे 325 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीत सके। अजय ने स्नैच में 149 किलोग्राम वजन उठाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और इस राउंड के बाद पहले स्थान पर रहे।

तैराकी : बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में श्रीहरि

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में 100 मीटर बैकस्ट्रोक सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि अनुभवी साजन प्रकाश क्वालीफाइंग राउंड में हीट (शुरुआती दौर) से ही बाहर हो गए। नटराज 55.58 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में पांचवें और कुल 13वें स्थान पर रहे। नटराज का 50 मीटर के बाद टाइमिंग 26.26 सेकंड था। उनका सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 53.77 सेकंड है, जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। 25 वर्ष के नटराज भारत की चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम में भी थे, जो फाइनल में छठे स्थान पर रही थी।

एशियाई और 2028 ओलंपिक खेलों पर है फोकस

हार्वर्ड इंतजार करेगा, ओलंपिक नहीं, अनाहत का बड़ा फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व जूनियर चैंपियन स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने खुलासा किया है कि उन्होंने 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए तैयारियों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने की योजना फिलहाल टाल दी है। अनाहत भी अपनी बड़ी बहन अमीरा के नक्शेकदम पर चलकर हार्वर्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती है। लेकिन अपने पांचवें और अंतिम प्रयास में विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अपना सारा ध्यान इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी में लगाना चाहती है।

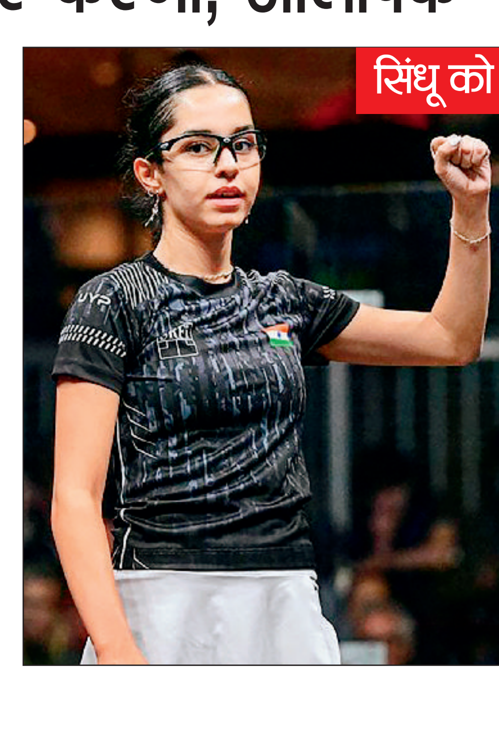

सिंधू को मानती हैं आदर्श

अनाहत ने कहा- पीवी सिंधू को अपना आदर्श मानती हैं, जो उन लोगों में शामिल थीं जिन्होंने ओंटारियो में उनकी ऐतिहासिक जीत पर सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी थी। पीवी सिंधू से बधाई संदेश मिलना महत्वपूर्ण था। मैं लगभग चार या पांच साल की उम्र से उनका अनुसरण कर रही हूं और जब से मैंने खेल जगत में कदम रखा है, वह मेरे लिए प्रेरणा रही हैं।' उन्होंने कहा, 'मिस्र का बुनियादी ढांचा बहुत अच्छा है और इसलिए वह सर्वश्रेष्ठ है। पिछली बार विश्व जूनियर चैंपियनशिप मिस्र में हुई थी पर मैं उनकी तैयारी को देखकर हैरान थी। वे रात 10-11 बजे तक खेल रहे थे।'

पढ़ाई की जगह खेल को तवज्जो

अनाहत ने कहा, 'मुझे इस साल कॉलेज जाना था, लेकिन एशियाई खेलों के कारण मैंने एक साल का ब्रेक लेने का फैसला किया। अब मुझे समझ आ गया है कि लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों के लिहाज से यह साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'मेरे कहने का मतलब यह है कि मैं इस साल पढ़ाई के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहती हूं। मैं इस साल सिर्फ स्क्वाश पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और यह सुनिश्चित करना चाहती हूं कि ओलंपिक में भाग लेने से पहले मैं अपने चरम पर रहूं।'' विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद अनाहत का लक्ष्य अब सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं।

ओलंपिक में खेलना है सपना

अनाहत ने कहा, 'मैं एशियाई खेलों में भाग लेने वाली लगभग प्रत्येक खिलाड़ी के खिलाफ खेल चुकी हूं। मैं अब अपना पूरा ध्यान इस पर केंद्रित करना चाहती हूं। अगर मुझे ओलंपिक में खेलने का मौका मिलता है तो यह सपना सच होने जैसा होगा।' अनाहत ने रैकेट खेलों में अपना सफर बैडमिंटन से शुरू किया और बाद में स्क्वाश को अपनाया।

ताइपे ओपन : रौनक दूसरे दौर में रित्विक, शंकर-तुषार बाहर

भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन

तुषार सुवीर ने पेश की कड़ी चुनौती

रित्विक संजीव जापान के क्वालीफायर में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रिकी ताकेई से 10-21, 11-21 से, जबकि शंकर सुब्रमण्यम अमेरिका के गैरेट टैन से 17-21, 10-21 से हार गए। तुषार सुवीर ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से 19-21, 21-16, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

ताइपे सिटी। भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वालीफायर में निराशाजनक रहा। केवल रौनक चौहान ही पुरुष एकल क्वालीफाइंग राउंड के दूसरे दौर में पहुंच पाए। क्वालीफायर में दूसरी वरीयता प्राप्त चौहान ने कनाडा के जोशुआ गुयेन को 21-15, 21-11 से हराया। उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ से होगा। रौनक को छोड़कर पुरुष एकल क्वालीफायर में भाग लेने वाले अन्य सभी भारतीय खिलाड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गए।

पाकिस्तान के दशकों पुराने आर्थिक शोषण और मानवाधिकारों के हनन का नतीजा हैं ये प्रदर्शन

पीओके में जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच हुए चुनाव पर भारत की खरी-खरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच हुए विधानसभा चुनाव के मामले पर मंगलवार को भारत ने बेहद सख्त अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में मामले पर पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा कि पीओके में हुए तथाकथित चुनाव की खबरों के बारे में मंत्रालय को मीडिया में आई खबरों के माध्यम से जानकारी मिली है। मामले को लेकर भारत का पक्ष बिलकुल साफ और निरंतर रहा है। जिसमें यह कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख सहित यह समूचा केंद्रशासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है और हमेशा रहेगा।

> यह जानकारी मंगलवार को हुई मीडिया ब्रीफिंग में रणधीर जायसवाल ने दी है

नेपाल पीएम को दिया यात्रा का न्योता

रणधीर ने कुछ अन्य प्रश्नों के जवाब में बताया कि भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को नई दिल्ली की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया है। वहीं, देश में आगामी समय में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर भी जरूरी तैयारियां चल रही हैं। अभी इसे लेकर देश में कुछ मंत्रिस्तरीय और तकनीकी स्तर की बैठकें हो रही हैं। जो शिखर सम्मेलन के दौरान होने वाली चर्चाओं के संबंध में हमें मदद प्रदान करेंगी।

ये है प्रदर्शनों की असली जड़

उन्होंने कहा कि पीओके में प्रदर्शनों तथा लीपापोती वाले चुनावों के पीछे छिपी असली वजह पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के भूभाग पर बने हुए अवैध कब्जे, वहां पर आम लोगों के मानवाधिकारों के हनन पर पर्दा डालने का प्रयास है। भारत इस विषय को लेकर पहले ही साफ शब्दों में यह स्पष्ट कर चुका है पीओके में जारी विरोध-प्रदर्शन वहां दशकों से किए जा रहे पाकिस्तान के आर्थिक शोषण, मानवाधिकारों का हनन और प्रशासनिक उत्पीड़न का नतीजा है। जिससे वहां की जनता को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। यह प्रदर्शन कोई नया मामला नहीं है। बल्कि एक पुरानी प्रक्रिया का हिस्सा है। जिसे लेकर कई वीडियो भी सामने आ चुके हैं।

खारिज किया पाकिस्तानी बयान

उन्होंने विजय दिवस के मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा कारगिल में दिए गए बयान पर सामने आई पाकिस्तानी प्रतिक्रिया को दो टूक अंदाज में खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि पड़ोसी दुश्मन देश की यह टिप्पणी पूरी तरह से निराधार है। जो कि खुद उसकी अपनी पूरी स्थिति को प्रदर्शित करती है। जायसवाल ने कहा कि एक ऐसा देश, जो दशकों से सीमापार आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देता रहा है। उसका किसी सांस्कृतिक विरासत पर किसी तरह का कोई दावा या अधिकार नहीं बनता है। पाकिस्तान का गलत ट्रैक रिकॉर्ड अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके सांस्कृतिक अधिकारों के संरक्षण के प्रति बनी हुई उसकी वास्तविक, खोखली सोच को उजागर करता है। युवाओं के प्रदर्शन को लेकर आई पाकिस्तानी टिप्पणी को लेकर जायसवाल ने कहा कि जंतर-मंतर पर खड़े युवाओं की भी पाकिस्तान से ये मांग है कि उसे भारत के खिलाफ प्रायोजित किए जा रहे सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह से समाप्त करना पड़ेगा। हमें उम्मीद है कि पाकिस्तानी पक्ष इस पर अपना ध्यान देगा।

विदेश सचिव द्वारा की गई चीन यात्रा में हुई बैठकों का परिणाम, मजबूत होंगे संबंध

सीमा से लगे इलाकों में शांति-स्थिरता को बनाए रखने के पक्ष में भारत और चीन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर बने हुए चिंताजनक हालात के बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री बीते सोमवार से चीन की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा (27 से 28 जुलाई तक) पर हैं। जिसमें उन्होंने बीजिंग में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के कई वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात की है। इस दौरान हुई वार्ता का सार यही है कि दोनों देश सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को बनाए रखना चाहते हैं। द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक गहराई प्रदान करने के उपाय भी उक्त बातचीत का हिस्सा रहे हैं। मामले पर पूर्व समय में भारत और चीन के राष्ट्राध्यक्षों के बीच रूस के कजान शहर में हुई द्विपक्षीय बैठक और उसके बाद तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन में हुई दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद प्रदान किए गए मार्गदर्शन का बेहद अहम योगदान है। यह जानकारी मंगलवार को राजधानी में हुई मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है।

भारत-चीन को बताया साझेदार

रणधीर ने कहा कि विदेश सचिव की यात्रा में हुई चर्चाओं के दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के साझेदार हैं। जिसे देखते हुए दोनों के बीच व्यापार, आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच संपर्क के जरिए पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों का भी विस्तार दिया जा सकता है।

तीन मार्गों से शुरू होगा व्यापार

उन्होंने बताया कि चीन में हुई विदेश सचिव की उच्च-स्तरीय बैठकों में चीन की उप विदेश मंत्री हुआ चुनयिंग, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के अंतरराष्ट्रीय विभाग की उप मंत्री सुन हैयान सहित कई अन्य नेताओं ने भाग लिया। जायसवाल ने बताया कि बीते कुछ महीनों के दौरान अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए दोनों देशों ने कई कदम उठाए हैं। पूर्वी लद्दाख में हुआ एलएसी विवाद संबंधों में आए तनाव की मुख्य वजह रहा है। भारत, चीन के बीच 2025 में तीन पुराने व्यापारिक मार्गों जैसे नाथुला, लिपुलेख और शिपकी-ला दर्रों से एक बार फिर से व्यापार शुरू करने को लेकर भी सहमति बन गई है।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप, मॉल की दूसरी मंजिल ढही, 50 से अधिक घायल

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

दक्षिणी जापान में 7.1 तीव्रता के भूकंप से व्यापक नुकसान हुआ है। कुमामोटो प्रांत में कई इमारतों में आग लग गई, ट्रेनें पटरी से उतर गईं और एक शॉपिंग मॉल को भी भारी नुकसान पहुंचा। जापान की पीएम सानए ताकइची ने बताया कि कुमामोटो में राहत और बचाव अभियान के लिए अब तक करीब 3,600 सैन्यकर्मियों को तैनात किया गया है। इसे अलावा जापान सेल्फ डिफेंस फोर्स के 300 जवानों को भेजा जा रहा है। काशिमा शहर स्थित एक शॉपिंग मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे 50 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। इनमें कुछ लोग मॉल के अंदर फंसे हुए हैं। भूकंप के कारण 48 हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कई सड़कों में दरारें आ गईं। कई जगहों पर इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कुछ जगहों पर नदी के ऊपर बने पुल टूट गए हैं। इसके अलावा ट्रेन के डिब्बे-इंजन पटरी से उतरकर पलट गए।

युद्ध के बीच होर्मुज के इलाके में 6 जहाजों पर सवार भारत के 125 नाविक

समुद्री जलमार्ग व उसके आसपास के इलाके पर भारत की पैनी नजर नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर प्रतिबद्धता बरकरार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध के दौर में होर्मुज जलडमरूमध्य के इलाके में भारत के 6 जहाजों की मौजूदगी बनी हुई है। जिनमें कुल 125 नाविक सवार हैं। इसके अलावा विदेशी जहाजों पर भारत के 41 लोग सवार हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को हुई मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए सवालों के जवाब में बताया कि केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय इस वैश्विक जलमार्ग, उसके आसपास के इलाके में बने हुए हालात और हमारे जहाजों की स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। साथ ही हम नाविकों की सुरक्षा व कल्याण को बनाए रखने के लिए भी नई दिल्ली पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में हमारे मिशन जहाजरानी मंत्रालय से संपर्क में बने हुए हैं। जो खासतौर पर नाविकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें मदद प्रदान करने और अन्य जरूरी सहयोग देने की कवायद में लगे हुए हैं। काला सागर के इलाके में खड़े भारतीय जहाजों या नाविकों की कुल संख्या के बारे में मंत्रालय के पास कोई अधिकृत आंकड़ा होने से जायसवाल ने इंकार कर दिया है।

ब्रिटेन से लाए जाएंगे भगोड़े अपराधी

भगोड़े आर्थिक अपराधियों को लेकर हमारा मत बिलकुल साफ है। जिसमें भारत का यही कहना है कि जितने भी भगोड़े अपराधी हैं, उन्हें स्वदेश वापस लाने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही हमारी यह मंशा भी है कि देश वापसी के बाद यह सभी भगोड़े यहां न्यायिक प्रक्रिया का सामना करें। जहां तक नीरव मोदी की भारत वापसी का मामला है। तो उसे लेकर ब्रिटेन में कानूनी प्रक्रिया चल रही है। इस तरह के मामलों में किसी भी देश के साथ एक प्रक्रिया जारी है, जिसका पालन किया जाता है।

यूक्रेन ने किया हमला, भारतीयों की तलाश जारी

यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर एक भारतीय जहाज पर हुए हमले के मामले को लेकर रणधीर ने कहा कि जहाज पर 4 भारतीय सवार थे। जिनमें से 2 सुरक्षित हैं और 2 अभी भी लापता हैं। लापता लोगों की तलाश की जा रही है। विदेश मंत्रालय भी मामले में वहां के स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। लापता हुए देश के 2 लोगों के परिजनों के साथ भी मंत्रालय संपर्क साधे हुए है। जिसमें हमारी कोशिश उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने की है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत का पक्ष पहले की तरह ही जस का तस बना हुआ है। जिसमें हमारा कहना है कि विवाद का समाधान बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। नाविकों की सुरक्षा के मामले को लेकर भी भारत ने रूस, यूक्रेन से चर्चा की है। जिसमें यह कहा गया है कि नाविकों की सुरक्षा और कल्याण नई दिल्ली की प्राथमिकता है। व्यापारिक जहाजों की आवाजाही से जुड़े वैश्विक जलमार्गों, नागरिक ढांचों पर किए जाने वाले हमलों को भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत-यूएस साझेदारी को मिलेगी मजबूती

परमाणु ऊर्जा और एआई क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

बैठक में चर्चा करते हुए एस पॉल कपूर

अमेरिकी विदेश विभाग के असिस्टेंट सेक्रेटरी एस. पॉल कपूर ने कहा है कि अमेरिका भारत के साथ मिलकर अपनी रक्षा साझेदारी को बढ़ा रहा है। इसके साथ ही, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी, एआई और दूसरी उभरती हुई टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी गहरा कर रहा है। हूवर इंस्टीट्यूशन में भारत पर आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में चर्चा के दौरान कपूर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का भारत के साथ जुड़ाव सप्लाई चेन को मजबूत करने के साथ-साथ अमेरिका में नौकरियां भी पैदा कर रहा है। कपूर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि ट्रंप प्रशासन में भारत के साथ अमेरिका का जुड़ाव देश के भीतर नौकरियां पैदा कर रहा है और उन सप्लाई चेन को मजबूत कर रहा है जो अमेरिका और इस क्षेत्र के लिए बहुत अहम हैं। हम रक्षा और सिविल न्यूक्लियर सहयोग का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें एआई और अर्थव्यवस्था को गति देने वाली अन्य उभरती हुई टेक्नोलॉजी को अपनाना भी शामिल है।

रक्षा संबंधों को लेकर फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध और मजबूत हो रहे हैं। पिछले साल, दोनों देशों ने जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस में रक्षा सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी को मज़बूत करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले दो दशकों में भारत ने अमेरिका से रक्षा खरीद में काफी बढ़ोतरी की है। अपाचे, चिनूक हेलीकॉप्टर, सी-17, सी-130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, पी-8I मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ़्ट और एम777 अल्ट्रा-लाइट होवित्ज़र जैसे हथियार और उपकरण हासिल किए हैं।

डिजिटल अरेस्ट में आसानी से नहीं मिलेगी जमानत: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में डिजिटल अरेस्ट (ऑनलाइन ठगी) के बढ़ते मामलों के बीच अब सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। कोर्ट ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट घोटालों में शामिल किसी भी आरोपी को आसानी से जमानत नहीं दी जाएगी। कोर्ट ने निचली अदालतों और हाईकोर्ट्स को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों में केवल असाधारण कारणों पर ही जमानत पर विचार किया जाए, वरना राहत न दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के मामलों में सख्त से सख्त संगठित अपराध के कानून लगाने चाहिए। इन मामलों को आम धोखाधड़ी नहीं, बल्कि लूट और डकैती के बराबर माना जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि बैंक खाते खुलवाने में मदद करने वाला व्यक्ति भी सहयोगी माना जाएगा।

एच-1बी वीजा होल्डर्स वाला बिल पेश

अमेरिका के कैलिफोर्निया की वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटर ने एलेक्स पडिला ने कहा कि उनका प्रस्ताव एक इमिग्रेशन नियम को मॉडर्नाइज करेगा जिसे 1986 से अपडेट नहीं किया गया है। इससे 80 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हो सकता है। यह प्रस्ताव ड्रीमर्स (बचपन में अमेरिका लाए गए अप्रवासी), अस्थायी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) धारकों, आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों और लंबे समय से वीजा पर रह रहे लोगों के बच्चों को कवर करेगा। यह उन उच्च-कुशल पेशेवरों के लिए भी राहत का रास्ता खोल सकता है, जिनमें एच-1बी वीजा धारक शामिल हैं।

साइबर फर्म 'अलिबी ग्लोबल' का खुलासा

डार्क वेब पर डीआरडीओ का 31 जीबी डेटा 6.6 लाख रुपए में बेचा जा रहा, जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साइबर सुरक्षा से जुड़ी एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक हैकर ने डार्क वेब पर कथित तौर पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेना से जुड़े 31 जीबी बेहद संवेदनशील डेटा को करीब 6.6 लाख में बेचने की खौफनाक पेशकश की है। तिरुवनंतपुरम की साइबर सुरक्षा फर्म 'अलिबी ग्लोबल' ने यह खुलासा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 31 जीबी डेटा पिछले दो हफ्तों से डार्क वेब पर बिक्री के लिए विज्ञापित किया जा रहा है। इतना ही नहीं सबूत के तौर पर जारी किए गए कुछ सैंपल दस्तावेजों में वरिष्ठ वैज्ञानिकों के हस्ताक्षर और मंजूरी से जुड़ी प्रतिबंधित तकनीकी जानकारी होने का दावा किया गया है।

डीआरडीओ रिपोर्ट की प्रामाणिकता जांच रहा

इस दावा के सामने आने के बाद जब इस मामले में डीआरडीओ के सूत्रों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे इस रिपोर्ट की प्रामाणिकता की जांच कर रहे हैं। बता दें, अलिबी ग्लोबल नामक कंपनी सरकारी एजेंसियों और महत्वपूर्ण संस्थानों को डार्क वेब मॉनिटरिंग की सेवाएं देती है। उनकी नियमित निगरानी के दौरान यह संवेदनशील डेटा नजर आया। अलिबी ग्लोबल के तकनीकी निदेशक वी.के. भद्रन ने बताया कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्होंने तुरंत इसकी सूचना 'इंटेलिजेंस ब्यूरो' (आईबी) को दे दी है। अब संबंधित सरकारी एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं कि डेटा वास्तव में कितना सही और संवेदनशील है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109